

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

# बिहार में गंगा खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर

● 13 जिलों में बाढ़ ● काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा ● हिमाचल में 175 सड़कें बंद

पटना/नई दिल्ली,एजेंसी। बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैडस्टाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर



गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं।

बिहार में पलायन शुरू, फसलें डूबी: पानी गांवों तक पहुंचने से ग्रामीण सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की तैयारी में जुट गए हैं। कई परिवारों ने पलायन भी शुरू कर दिया है। किसानों की सैकड़ों एकड़ मक्का और हरी सब्जियों की फसलें पानी में डूब गई हैं, जिससे

भारी नुकसान की आशंका है।

राहत शिविर और जरूरी सामान की व्यवस्था: जलस्तर बढ़ने और बड़े पैमाने पर पलायन की स्थिति में बलदेव स्कूल में राहत शिविर सह सामुदायिक किचन चलाते की तैयारी की गई है। लाइफ जैकेट, दवाएं और सांप-बिच्छू काटने जैसी आपात स्थितियों के लिए इमरजेंसी बोट तैनात करने की व्यवस्था भी हो रही

है। बाढ़ग्रस्त घोषित करने की मांग: दियारा क्षेत्र के पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश यादव, पूर्व मुखिया दिनेश राय, भाजपा नेता रंजीत यादव सहित स्थानीय प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री, आपदा प्रबंधन मंत्री, डीएम और एसडीओ से क्षेत्र को बाढ़ग्रस्त घोषित करने, पर्याप्त नावें चलाने और तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की

काशी में 407 परिवारों ने छोड़ा घर... उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। वाराणसी यानी काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं।

है। आने वाले घंटों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

राहत और बचाव अभियान के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। वाराणसी में गंगा का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है और नदी चेतानवी स्तर पार कर चुकी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर सीधा असर पड़ रहा है। कई निचले इलाकों में जलभराव के कारण पैदल और सड़क से आवाजाही मुश्किल हो सकती है, इसलिए प्रशासन विस्थापित परिवारों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने पर जोर दे रहा है।

## स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाय चेन भारत-बेल्जियम की साझा प्राथमिकताएं : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंध परंपरागत क्षेत्र से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्र तक पहुंच गए हैं। स्वच्छ ऊर्जा भविष्य और भरोसेमंद सप्लाय चेन दोनों देशों की साझा प्राथमिकताएं हैं। अगले पांच वर्षों में हम



द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच सैन्य और प्रशिक्षण सहयोग को मजबूत करने पर सहमति बनी है। हम अपनी एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी भी साझा करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी

वेवर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश जोरावर टैंक जैसे आधुनिक रक्षा उपकरणों पर साथ काम कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के काकिनाड़ा में हम दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स में से एक डेवलप कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आज दोनों देशों के बीच समझौता हुआ है। दुर्लभ खनिजों के प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में सहयोग बढ़ाने का हमने निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में बेल्जियम की विशेषज्ञता और भारत के स्तर एक दूसरे के पूरक हैं।

: त्रीफ बॉक्स :

सीएम विजय का

एआई वीडियो बनाकर

ठगी की कोशिश

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के,डू डीपफेक वीडियो से लोगों को ठगने की कोशिश का मामला सामने आया है। तमिलनाडु पुलिस की CB-CID ने 1 सितंबर को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वीडियो में विजय जैसे दिखने वाला शख्स हिंदी में लोगों से बात करते हुए आर्थिक मदद के लिए एक वॉट्सएप नंबर पर संपर्क करने को कह रहा था।

इस फर्जी वीडियो को फेसबुक समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैलाकर लोगों को ठगने की कोशिश की गई। जांच में कुछ फर्जी वीडियो और सोशल मीडिया अकाउंट्स के पाकिस्तान से संचालित होने की आशंका सामने आई है। जांच में एक नई, कई डीपफेक वीडियो मिले: CB-CID की शुरुआती जांच में विजय के नाम पर आर्थिक मदद का दावा करने वाले कई एआई डीपफेक वीडियो मिले हैं। ये अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए जा रहे थे। जांच के लिए CB-CID ने फेसबुक की पेंटे कंपनी Meta से संपर्क किया है। पुलिस ने फर्जी अकाउंट्स और वीडियो अपलोड से जुड़े लोग की जानकारी मांगी है।

सिंधु जल संधि पर भारत का

रुख सख्त, पाक की

अंतर्राष्ट्रीय कोशिशें बेअसर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को लेकर जारी विवाद अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी मुखर हो रहा है। इस संवेदनशील मुद्दे पर भारत ने अपना कड़ा रुख बरकरार रखा है। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच पर इस विषय को उठाकर अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि उनकी यह कोशिश कोई खास कामयाब नहीं हुई।

अपने संबोधन में पीएम शहबाज शरीफ ने पानी को क्षेत्र की जीवरेखा बताया और इस बात पर जोर दिया कि पानी को राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और साझा जल संसाधनों को लेकर देशों के बीच सहयोग होना चाहिए। शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समझौतों का सम्मान करने की अपील करते हुए कहा कि समझौतों को उनकी भावना और शब्दों के मुताबिक लागू किया जाना चाहिए।

## गडकरी बोले- सभी राज्य बाइक टैक्सी को मंजूरी दें

● 8 करोड़ रोजगार मिलेंगे ● ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड-कैसिल होगा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी को मंजूरी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर से यात्रियों को ले जाने की सुविधा से खासकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के बड़े अवसर मिलेंगे। इससे करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है।

गडकरी ने बताया कि केंद्र ने बाइक टैक्सी की अनुमति दे दी है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कुछ राज्यों में अभी इसकी मंजूरी नहीं है। उन्होंने राज्यों से इसे मंजूरी देने

भारी वाहन चालकों की ट्रेनिंग जरूरी... गडकरी ने भारी वाहन और निर्माण उपकरण चलाने वाले ड्राइवरों की अनिवार्य ट्रेनिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी ऐसी कोई जरूरी व्यवस्था नहीं है। उन्होंने JCB India जैसी कंपनियों से उपकरण देने से पहले ड्राइवरों को ट्रेनिंग देने की अपील की।



की अपील की, ताकि लोगों को कमाई का नया जरिया मिल सके।

गडकरी ने कहा कि सरकार बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर सख्ती करेगी। इसके लिए मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कर ड्राइवरों के

लिए नेगेटिव पॉइंट सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है।

10 लाख ड्राइवरों की स्वास्थ्य जांच: गडकरी ने 'सुरक्षा' पायलट प्रोग्राम शुरू किया। इसके तहत हाईवे, खनन और निर्माण जैसे जोखिम वाले

## उड़ान के बीच दोहा-बेंगलुरु फ्लाइट पायलट की तबीयत बिगड़ी

» मस्कट में इमरजेंसी लैंडिंग

बेंगलुरु,एजेंसी। कतर के दोहा से बेंगलुरु आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट के पायलट की गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद फ्लाइट मस्कट डायवर्ट करना पड़ा। मेडिकल इमरजेंसी के बीच प्लेन की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

मेडिकल टीम ने पायलट की जांच की। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एयरलाइन के मुताबिक, अब पायलट की हालत ठीक है। इंडिगो ने बताया कि बेंगलुरु से एक विमान



मस्कट भेजा जा रहा है, जो यात्रियों को लेकर बेंगलुरु पहुंचेगा।

इंडिगो ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों, क्रू और विमान की सुरक्षा उसकी

मस्कट में यात्रियों को दी जा रही सुविधाएं...

एयरलाइन ने कहा कि मस्कट में विमान का इंतजार कर रहे यात्रियों को हवाईखाना और पीने की चीजें दी जा रही हैं और उन्हें लगातार अपडेट किया जा रहा है। जिस विमान से यात्री बेंगलुरु वापस आएंगे उसके लिए नए क्रू की व्यवस्था भी की गई है।

सर्वोच्च प्राथमिकता है और यात्रियों की यात्रा जल्द से जल्द पूरी कराने के लिए जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं।

## पाकिस्तानी जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी बालाकोट स्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे; अब उड़ाएंगे यात्री विमान

नई दिल्ली,एजेंसी। बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान 60 घंटे पाकिस्तान की कैद में रहे पूर्व ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्तमान में एयरफोर्स से रिटायरमेंट ले लिया है। उन्होंने गोवा की प्राइवेट एयरलाइन फ्लाई-91 जॉइन कर ली है। उनका सामान्य रिटायरमेंट 2037 में होना था, जब वे 54 वर्ष के होंगे। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी और अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की। करीब दो दशक की सर्विस के बाद अब वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे।



अभिनंदन वायुसेना में MiG-21 फाइटर उड़ाने थे। 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी के स-16 लड़ाकू विमान को मार गिराने के दौरान उनका विमान मिसाइल की चपेट में आ गया था। जेट से इजेक्ट होकर वे पाकिस्तान

एयरफोर्स से करीब एक लाख पेंशन मिलेंगे... ग्रुप कैप्टन अभिनंदन ने वायुसेना में 20 साल की सर्विस की है। पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के मुताबिक, ग्रुप कैप्टन का मूल वेतन 1.40-2.18 लाख और एमएसपी 15,500 होता है। भत्तों को मिलाएँ तो यह ज्यादा भी हो सकता है। इस हिसाब से उन्हें करीब 88-98 हजार महीना पेंशन मिल सकती है।

के कब्जे वाले कश्मीर में उतरे थे। पीओके में पाकिस्तानी फौज ने उन्हें पकड़ लिया था।

## हिमालय में 7 मिनट में तबाही, चीन की तैयारी नाकाम:

## पिछली बार झील फटी थी, इस बार ग्लेशियर ही टूट गया

नई दिल्ली,एजेंसी। 26 अगस्त को चीन-नेपाल सीमा पर हिमालय की एक घाटी में ऐसी तबाही आई, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। हैरानी की बात ये थी कि चीन इस इलाके में ऐसी आपदा से निपटने की तैयारी पहले ही कर चुका था।

14 महीने पहले इसी इलाके में ग्लेशियर की एक झील फटने से भूस्खलन हुआ था। ट्रक, घर और एक पुल बह गए थे। इसके बाद चीन ने करीब छह महीने तक बॉर्डर पोर्ट बंद रखा और बाढ़ से बचाव का सिस्टम मजबूत किया।



पानी के स्तर पर 24 घंटे नजर रखने लगी, तटबंध और बाढ़ रोधी दीवारें बनाई गई और पानी का रास्ता बदलने के लिए नहरें तैयार की गईं। अधिकारियों और ग्रामीणों की ट्रेनिंग हुई, मॉक ड्रिल कराई गई और जुलाई में तैयारियों की समीक्षा भी हुई।

यानी पिछली आपदा से सबक लेने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई थी। फिर भी 26 अगस्त को कुछ ऐसा हुआ, जिसके लिए ये पूरा सिस्टम तैयार ही नहीं था।

इस बार झील नहीं, ग्लेशियर

टूटा: इस बार बाढ़ किसी ग्लेशियल झील के फटने से नहीं आई। एक ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा अचानक टूटकर नीचे आ गया। इसके साथ बर्फ, बड़े पत्थर और पानी इतनी तेजी से नीचे आए कि कुछ ही देर में ये सब सुनामी जैसी लहर में बदल गया। ग्लेशियर पोर्ट कॉम्प्लेक्स में पहुंचते ही इस लहर ने 27 इमारतों को तबाह कर दिया। इसके बाद वे तबाही नेपाल की ओर बढ़ गई। अधिकारियों के मुताबिक, ग्लेशियर का हिस्सा टूटने और ग्लेशियर पोर्ट तक पहुंचने के बीच सिर्फ छह-सात मिनट का समय था।

## योगी बोले : हर संभव मदद पहुंचाएगी सरकार

1000 बाढ़ पीड़ितों को राहत किट; बेघर 31 लोगों को पट्टा

फर्रुखाबाद,एजेंसी। गंगा नदी की बाढ़ से उत्पन्न गंभीर हालातों का जायजा लेने और पीड़ितों को ढाढस बंधाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज फर्रुखाबाद पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और इसके बाद पुलिस लाइन मैदान में आयोजित विशाल जनसभा के माध्यम से राहत सामग्रियों का वितरण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ पीड़ितों का दर्द और जमीनी हकीकत खुद देखने के लिए आसमान से इलाकों का मुआयना किया। इसके बाद पुलिस



लाइन मैदान में उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस आपदा के समय में डबल इंजन की सरकार पूरी मजबूती से जनता-जनार्दन के साथ खड़ी है। राहत और बचाव कार्यों को और तेज करने के साथ ही इनकी लगातार समीक्षा की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बाढ़ से

गंगा की बाढ़ से बेहल हैं 70 गांव... प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, जनपद में गंगा की बाढ़ से लगभग 70 गांव प्रभावित हैं। इन गांवों के 19,295 परिवारों के 78,671 लोग पानी से घिरे हुए हैं। बाढ़ के कारण करीब 7,200 हेक्टेयर फसलें तबाह हो चुकी हैं। सरकार और प्रशासन द्वारा इससे पहले भी 96 ग्रामीणों को आवास के लिए 1.20 लाख रुपये और 67 लोगों को आवासीय पट्टा दिया

प्रभावित 1,000 परिवारों को 26 प्रकार की आवश्यक सामग्रियों से युक्त राहत किट वितरित की।

## नेपाल बाढ़ में 1252 की मौत, 4216 लोग लापता

» 4 घंटे मलबे में दबी रहीं 97 साल की महिला

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण फ्लैश फ्लड में 97 साल की गुना माया बोहरा करीब 4 घंटे तक मलबे में दबी रहीं। नुवाकोट के देविघाट में नदी किनारे बने बुजुर्ग देखभाल केंद्र की ग्राउंड फ्लोर पर वह अपने कमरे में थीं।

बाढ़ का पानी ग्राउंड फ्लोर तक पहुंचा और गुना माया को बहाकर एक किनारे तक ले गया, जहां पानी का बहाव कम था। उनके रिश्तेदार भी JCB लेकर मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू



में सेना और पुलिस की मदद की। गुना माया को काठमांडू के बीर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यू के बाद वह बहुत कम बोलती हैं और बार-बार एक ही सवाल पूछती हैं- 'पानी ने मुझे क्यों मारा?' नेपाल में इस बाढ़ से अब तक 1,252 लोगों की मौत हो चुकी है ,4216 लोग लापता।

### संक्षिप्त समाचार

#### धार में बारिश में भीगी बच्चों की किताबें, धूप में सुखाने के लिए बिछाई



**इंदौर, एअेंसी।** मध्य प्रदेश के धार में स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय सूरजपुरा की बदहाल स्थिति का एक वीडियो इन दिनों इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में विद्यालय के बच्चे वर्षा के कारण गीली हुई अपनी पाठ्य पुस्तकों को धूप दिखाकर सुखाते नजर आ रहे हैं। किताबों को सुखाने की यह तस्वीर विद्यालय भवन की स्थिति और बच्चों को मिल रही शैक्षणिक सुविधाओं पर सवाल खड़े कर रही है। वर्षा के दौरान विद्यालय भवन में पानी पहुंचने के कारण बच्चों की पाठ्य पुस्तकें भीग गईं। इसके बाद छात्र-छात्राओं को उन्हें सुखाने के लिए धूप में रखना पड़ा। पढ़ाई के लिए स्कूल पहुंचे बच्चों का यह दृश्य इंटरनेट मीडिया पर सामने आने के बाद लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जिला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित विद्यालय में यदि बच्चों की किताबें सुरक्षित नहीं रह पा रही हैं तो ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। विद्यालय भवन के रखरखाव और वर्षा के पानी से बचाव की व्यवस्था पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों को सुरक्षित भवन और पढ़ाई के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी शिक्षा विभाग की है।

#### कर्नाटक से मालदा लाए गए 31 बांग्लादेशी घुसपैठिए, अब सीमा पार भेजने की तैयारी



**मालदा, एअेंसी।** कर्नाटक में विभिन्न थाना क्षेत्र से गिरफ्तार 31 बांग्लादेशी घुसपैठियों को बंगाल के मालदा लाया गया। मालदा टाउन स्टेशन पहुंचने के बाद सभी को कड़ी सुरक्षा के बीच यहां के होलिंटा सेंटर ले जाया गया है। नियमों के अनुसार बाद में उन्हें पुराबैक किया जाएगा। मालदा जिला पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने कहा कि आगे की कार्यवाई नियमों के मुताबिक की जाएगी। सूत्रों के अनुसार कर्नाटक पुलिस ने बेंगलुरु के दस थाना इलाके से इन लोगों को गिरफ्तार किया। अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में इनको पकड़ा गया है। इनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। कर्नाटक पुलिस की 20 सदस्यों की एक विशेष सुरक्षा टीम एसएमवीटी बेंगलुरु टर्मिनल से ट्रेन द्वारा इन बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर मालदा पहुंची।

#### जेपीएनआईसी की बदहाली देख भड़के अखिलेश

बोले- भाजपा को न इतिहास की पीढ़ियां माफ करेंगी न भविष्य की



**लखनऊ, एअेंसी।** पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के झीम प्रोजेक्ट जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर को 9 साल बाद बुधवार को खोला गया। इसकी बदहाली की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। सपा प्रमुख ने जेपीएनआईसी की बदहाली पर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए भाजपा की नीतियां और उनकी सोच पर कड़े सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने निशाना साधते हुए कहा कि भाजपाइयों की ठहरी हुई सोच पर सिर्फ काई जमती है या जंग लगती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ आजादी के आंदोलन में शहीदों के खिलाफ उपनिवेशवादियों की मुखबरी करने वालों का इतिहास हमेशा स्वतंत्रता सेनानियों का विरोधी रहा है, तो दूसरी तरफ भाजपाइयों का पुरातनपंथी और तंग नजरिया आज आधुनिकता व प्रगति का विरोध कर रहा है। सपा प्रमुख ने आगे लिखा कि भाजपा और उनके संगी-साथियों को न तो इतिहास की पीढ़ियां माफ करेंगी और न ही भविष्य की पीढ़ियां, जबकि वर्तमान पीढ़ी के वे पहले से ही गुनाहगार हैं। अपने पोस्ट के अंत में उन्होंने 'भाजपा खत्म' लिखकर सत्तारूढ़ दल के प्रति अपना कड़ा राजनीतिक विरोध दर्ज कराया। बता दें कि हाल ही में सीएम योगी ने जेपीएनआईसी को प्राइवेट कंपनियों को लीज पर देने का आदेश दिया था।

# फर्जी दस्तावेज पर लोन लेकर एनबीएफसी को लगाया 1 करोड़ से ज्यादा का चूना, 5 के खिलाफ केस दर्ज

**नई दिल्ली, एअेंसी।** राजधानी दिल्ली में फर्जी दस्तावेज के जरिये लोन लेकर एनबीएफसी को एक करोड़ से अधिक का चूना लगाने का मामला सामने आया है। मंदिर मार्ग थाना पुलिस ने दिल्ली विकास प्राधिकरण के फर्जी कन्वेयंस डीड के आधार पर एक नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी 'एक्सिस फाइनेंस लिमिटेड' से 1.06 करोड़ रुपये की उगी करने के आरोप में 5 लोगों के खिलाफ दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायतों के अनुसार, जालसाजों ने द्वारका के सेक्टर-14 स्थित शहीद भगत सिंह अपार्टमेंट के दो फ्लैटों को गिरवी रखकर इस उगी को अंजाम दिया। पहले मामले में हिमांशु शर्मा, उसके पिता संजय शर्मा और जितन नामक आरोपियों ने द्वारका सेक्टर-14 के एक फ्लैट के लिए 48.76 लाख रुपये का लोन स्वीकृत कराया।



इन्होंने 2015 की पंजीकृत डीडीए कन्वेयंस डीड और प्रापर्टी के दस्तावेज जमा कराए। प्रापर्टी का मूल्यांकन 65 लाख रुपये लगाकर एनबीएफसी ने विक्रेता को 34.30 लाख रुपये लोन जारी कर दिए। वहीं, दूसरे मामले में इसी अपार्टमेंट के एक अन्य फ्लैट पर संजय शुक्ला और उसकी मां शशिकला शुक्ला ने 2013 की कन्वेयंस डीड के आधार पर 57.60 लाख रुपये का लोन मंजूर कराया।

## हिमाचल में अभी राहत नहीं देगा मौसम, 3 जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट



**चेलंग की पहाड़ी से दरका मलबा**  
मंडी की चौहार घाटी में चेलंग की पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और पत्थर गिरने से सहमे ग्रामीणों ने पूरी रात खीफ के साये में गुजारी। लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों और रश्तेदारों के घरों में शरण लेनी पड़ी। पहाड़ी में बड़ी दरारें आ गई हैं।

**कारोबारी की नाले में गिरने से मौत**  
चौहार घाटी की सिल्हबुघाणी पंचायत के ग्रामण गांव के अखरोट कारोबारी 55 वर्षीय सबला राम पुत्र टेक राम की पैर फिसलकर से स्वाड़ नाला में गिरने से मौत हो गई। वह अखरोट खरीदने मंगलवार को कथोगा गए और लौटने के दौरान हादसा हो गया।

**रामपुर में पुलिया बही**  
शिमला जिले के रामपुर उपमंडल की कूट पंचायत के सुरु गांव में बुधवार दोपहर भारी वर्षा से खड्ड उफान में आ गई। इससे सुरु गांव को जोड़ने वाली पुलिया तेज बहाव में बह गई। जो ग्रामीण बुधवार को खड्ड के दूसरी तरफ गए थे, वे वहां फंस गए हैं। कुल्लू जिले में ओट-लुहरी-सैज राष्ट्रीय राजमार्ग-305 मंगलवार रात कई जगह भूस्खलन से बाधित हो गया। बागीपुल-जोआँ-टारला मार्ग पर भूस्खलन से एक मकान को भी खतरा पैदा हो गया है। सड़क बंद होने से क्षेत्र के करीब 17 गांवों का संपर्क प्रभावित है।

## क्या वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ खारिज होगा मामला इस आधार पर मिल सकती है राहत

**वॉशिंगटन, एअेंसी।** वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी ने बुधवार को एक अमेरिकी न्यायाधीश से अपने खिलाफ लगाए गए झग तस्कर्री के आरोपों को खारिज करने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि किसी देश के राष्ट्रपति और प्रथम महिला के रूप में उन्हें कानूनी प्रतिक्रिया हासिल है। मैनहट्टन की संघीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों में मादुरो के वकीलों ने कहा कि कानून के तहत न्यायाधीश को आरोपपत्र खारिज करना ही होगा, क्योंकि किसी विदेशी राष्ट्रपति के खिलाफ इस तरह का मामला नहीं चलाया जा सकता। किस कानून के आधार पर आरोप खारिज करने की मांग कर रहे हैं मादुरो: वकीलों ने कहा, 'किसी भी अमेरिकी अदालत ने अब तक ऐसे विदेशी नेता के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की सुनवाई नहीं की है, जिसे आरोप लगाए जाने के समय उसके अपने देश ने राष्ट्रपति के रूप में मान्यता हािल हो।' उन्होंने कहा, 'यह महज संयोग

नहीं है। यह एक ऐसे नियम को दर्शाता है जो सामान्य कानून से भी पुराना है। राष्ट्रपति अपने देश की अदालतों को छोड़कर किसी भी अन्य देश की अदालत को आपराधिक कार्यवाई से मुक्त होते हैं।' मादुरो और उनकी पत्नी के खिलाफ झग तस्कर्री के आरोपों पर मुकदमे की सुनवाई अगले साल 1 जून से शुरू होने वाली है। न्यायाधीश एल्विन के. हेल्गस्टीन ने आरोपपत्र खारिज करने की मांग वाली याचिकाओं पर मौखिक दलीलों के लिए 17 नवंबर की तारीख तय की है। जनवरी की शुरुआत में निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी बलों ने किया था गिरफ्तार: 63 वर्षीय मादुरो और उनकी 69 वर्षीय पत्नी सिल्विया पलोरेस को जनवरी की शुरुआत में आधी रात के दौरान कराकास स्थित उनके घर पर अमेरिकी बलों की कार्यवाई के बाद गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया गया था। तब से दोनों बुकलिन की एक जेल में बंद हैं। बुधवार को दाखिल अलग

दस्तावेजों में पलोरेस के वकीलों ने भी कहा कि उन्हें संप्रभु प्रतिक्रिया के आधार पर अमेरिका में अभियोजन से छूट हासिल है। उनके वकीलों ने कहा, 'यह वेनेजुएला को मिली हुई संप्रभुता है और इसे केवल वेनेजुएला ही त्याग सकता है।' मादुरो के वकीलों ने कहा कि अगर राष्ट्रपति होने के नाते उन्हें संप्रभु प्रतिक्रिया का अधिकार न भी मिले, तब भी उनके खिलाफ मामला खारिज किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अपने आधिकारिक कृत्यों के आधार पर आचरण-आधारित संप्रभु प्रतिक्रिया भी हासिल है। आरोप सिद्ध होने पर मादुरो को कितनी सजा हो सकती है: मादुरो और पलोरेस के खिलाफ यह आपराधिक मामला पहली बार छह साल दर्ज किया गया था। अगर जुरी इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि दोनों अमेरिका में कोकैन भेजने की साजिश का हिस्सा थे, तो उन्हें उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। संघीय अभियोजकों को इन कानूनी दलीलों पर अपना जवाब इस महीने के अंत में दाखिल करना है।

# जी-20 बैठक में घमासान: अमेरिका पर बिफरे यूरोपीय देश, कनाडा से तीखी नोकझोंक; जर्मनी-फ्रांस ने भी उठाए सवाल

**वाशिंगटन, एअेंसी।** अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी-20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक में उस वक्त असहज स्थिति पैदा हो गई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक मॉडल को दुनिया के सामने 'गेल मॉडल' की तरह पेश करने की कोशिशें उल्टी पड़ गईं। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सम्मेलन के लगभग हर सत्र की शुरुआत यह कहते हुए की कि दुनिया को ट्रंप प्रशासन की नीतियों को नकल करनी चाहिए। लेकिन मेज के दूसरी तरफ बैठे अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी-जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा ने इस आत्ममुगधता को स्वीकार करने के बजाय अमेरिकी नीतियों पर दुनिया की आर्थिक तस्करी को पटरी से उतारने का खुला आरोप मढ़ दिया। ईरान के साथ अमेरिकी युद्ध के चलते ग्लोबल एनर्जी सप्लाई और रियाँपिंग रूट्स का ठप होना, सहयोगियों को भरोसे में लिए बिना यूरोपीय मुद्रा (यूरो) बेचकर जापानी येन को सहारा देना, और कनाडा समेत यूरोपीय देशों पर थोपे गए दंडात्मक टैरिफ जैसे मुद्दों पर



पश्चिमी ब्लॉक के भीतर ही खुला असंतोष फूट पड़ा। बेसेंट बोले- 13 गुना ताकतवर देश से मत भिड़ो: सम्मेलन के दौरान सबसे तीखी जुबानी जंग अमेरिका और उसके उत्तरी पड़ोसी कनाडा के बीच देखने को मिली। वित्त मंत्री बेसेंट ने सीएनबीसी को दिए इंटरव्यू में कनाडा का उल्हास उड़ते हुए कहा-मुझे नहीं लगता कि आपको किसी ऐसे देश से आंख में आंख मिलाकर भिड़ना चाहिए जो आपकी

अर्थव्यवस्था से 13 गुना बड़ा है। इस बयान पर पलटवार करते हुए कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन ने कहा-हम किसी से डरने वाले नहीं हैं।

**किसने क्या कहा:** अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट बोले कि अमेरिका दुनिया की

एआई सुपरपावर है। हमारी कंप्यूटिंग क्षमता और डीएलएलएन बेजोड़ हैं। बाकी दुनिया हमारे साथ आकर तरक्की करे। वहीं, कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन ने कहा कि कनाडा अपने कामगारों और उद्योगों की हर कीमत पर रक्षा करेगा।

### अमेरिका पर नाराजगी के ये 3 बड़े कारण

बिना पूछे यूरो बेचना और डॉलर बयाना: पिछले महीने अमेरिका ने जापानी मुद्रा (येन) को गिरने से बचाने के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार में रखे 'यूरो' बेच दिए। इससे यूरोप की साझा मुद्रा 'यूरो' की वैल्यू गिर गई। जर्मनी के सेंट्रल बैंक के प्रमुख जोआकिम ने कहा कि इस कदम से यूरोप में भारी नाराजगी है। ईरान युद्ध से आर्थिक विकास की रफ्तार घटी: आईएमएफ ने हालिया समीक्षा में साफ किया है कि ट्रंप प्रशासन के ईरान युद्ध ने दुनिया भर में आर्थिक विकास की रफ्तार को धीमा किया है। जर्मन अर्थशास्त्रियों के अनुसार, युद्ध और अमेरिकी टैरिफ ने 2022 के बाद से जर्मनी के सबसे मजबूत विकास वर्ष पर पानी फेर दिया है।

### रेगुलेशन बनाम लाइमेट का टकराव भी बढ़ा

जहां ट्रंप प्रशासन ने एआई और जीवाश्म ईंधन से तमाम पाबंदियां हटा दी हैं, वहीं यूरोप पर्यावरण के अनुकूल ग्रीन ट्रांजिशन और एआई पर कड़े नियमों के पक्ष में है। जर्मनी के वाइस चान्सेलर लार्स ने कहा-हमारे बीच स्पष्ट मतभेद हैं।

**स्कूल की पानी की टंकी में मिला मरा पक्षी, बदबूदार पानी से बन रहा था बच्चों का मिड-डे मील**  
**कोलकाता, एअेंसी।** दक्षिण 24 परगना के कैनिंग में स्कूल की पानी की टंकी में मरा हुआ पक्षी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। आरोप है कि इसी टंकी के दुर्गन्धयुक्त पानी से रोजाना बच्चों के लिए मिड-डे मील तैयार किया जा रहा था। मामला सामने आने के बाद अभिभावकों और ग्रामीणों ने स्कूल परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया। घटना के बाद बच्चों ने मिड-डे मील खाना बंद कर दिया है। मामला कैनिंग सर्किल के गालाडहारा कुसुममणि एफपी स्कूल का है। ग्रामीणों के अनुसार, स्कूल के पानी से काफी समय से दुर्गन्ध आ रही थी। छत पर जाकर पानी की टंकी की जांच करने पर पता चला कि टंकी का ढक्कन ही नहीं था। अंदर झांकने पर पानी में मरा हुआ पक्षी तैरता मिला। अभिभावकों का आरोप घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों



आरोप है कि पक्षी एक-दो दिन से नहीं, बल्कि काफी समय से टंकी में पड़ा था और सड़ने के कारण पानी में कीड़े भी पड़ गए थे। इसी पानी का इस्तेमाल बच्चे पीने के लिए करते थे और इसी से मिड-डे मील भी तैयार किया जा रहा था।

और अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर विरोध जताया। उनका सवाल है कि टंकी में इतने दिनों से मरा पक्षी पड़ा रहा, लेकिन स्कूल प्रबंधन की नजर उस पर क्यों नहीं पड़ी। बच्चों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी कौन लेगा, इसे लेकर भी अभिभावकों ने नाराजगी जताई। एक अभिभावक ने आरोप लगाया कि स्कूल में तीन शिक्षक हैं, जिनमें एक पैरा शिक्षक है। प्रधान शिक्षक गोविंद मंडल लंबे समय से अस्वस्थ होने के कारण स्कूल नहीं आते। उनकी पत्नी काकुली कविराज मंडल, जो उसी स्कूल में पैरा शिक्षक हैं, स्कूल की अधिकांश व्यवस्थाएं देखती हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रधान शिक्षक और उनकी पत्नी ने मामले की बात स्वीकार की है।

### दिल्ली के घी और पंजाब की मिर्च की बिक्री पर राजस्थान में रोक, 9 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस सस्पेंड

**जयपुर, एअेंसी।** राजस्थान सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पंजाब, दिल्ली और राजस्थान की कंपनियों द्वारा निर्मित देशी घी और मिर्च पाउडर के बाजार में बेचे जाने पर रोक लगाई गई है। कुल चार ब्रांड के देशी घी की बिक्री पर दो माह के लिए रोक लगाई गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली के सरनाथ औद्योगिक क्षेत्र में केडीपी फूड इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित कृष्ण सांवरीया इंडस्ट्रीज के गोल्डन थार ब्रांड देशी घी पर रोक लगाई गई है। जयपुर में अविध पार की खाद्य



पाउडर और राजस्थान में बालोतरा के मेसर्स दिशा एंटरप्राइजेज का नंदी ब्रांड देशी घी, बाड़मेर के श्री सांवरीया इंडस्ट्रीज के गोल्डन थार ब्रांड देशी घी पर रोक लगाई गई है। जयपुर में अविध पार की खाद्य

कुल नौ प्रतिष्ठानों के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए गए हैं। पूर्व में अमरुक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री के कारण लाइसेंस निलंबित किए जाने के बावजूद बिना वैध लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के खाद्य कारोबार जारी रखने पर जयपुर के तीन प्रतिष्ठानों के खाद्य लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिए गए हैं। इनमें विद्याधर नगर स्थित एम/एस बालाजी जयका, कूकड़खेड़ा स्थित एम/एस गणपति ड्राईफ्रूट्स तथा निर्माण नगर स्थित द कंबू कैफे फूड एंड बेवरेजेज शामिल हैं।

### पीएम मोदी-पेजेशकियन की मुलाकात पर क्यों अमेरिका की नजर: रूबियो बोले- भारत-ईरान के बीच व्यापार समझौता नहीं

**वॉशिंगटन, एअेंसी।** अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच किसी व्यापार समझौते को लेकर बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश ईरान की सरकार से बातचीत करते हैं। रूबियो ने यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर हुई मुलाकात को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में की। यह सवाल फॉक्स न्यूज रेडियो के 'द ब्रायन किल्मीड शो' में उनसे पूछा गया था। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तोता ब्रायन किल्मीड ने कहा कि पीएम मोदी और पेजेशकियन की मुलाकात में ऐसा लगा कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते की तैयारी हो रही है। इसके जवाब में रूबियो ने कहा, 'खैर, मुझे नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई व्यापार समझौता है। जाहिर तौर पर, सभी देश अपनी-अपनी विदेश नीति तय करते हैं और दुनिया के कई देश ईरान की सरकार से बातचीत करते हैं।'



# विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026 ने खोला एक राष्ट्र, एक समय का नया अध्याय!

## किशन सनमुखदास भावनानी

भारत की बदलती तस्वीर में अब समय की भी बारी! -घड़ी की सुई से डिजिटल क्रांति तक: एक राष्ट्र एक समय से बदलने जा रहा भारत! वैश्विक स्तरपर आज का भारत तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी,डिजिटल अर्थव्यवस्था और आधुनिक संचार व्यवस्था के दौर से गुजर रहा है। कभी देश में एक राष्ट्र, एक चुनाव,एक राष्ट्र, एक कर,एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड एक राष्ट्र,एक ग्रिड,एक राष्ट्र, एक बाजार,एक राष्ट्र, एक कानून/समान नागरिक संहिता यानें यूनिफार्म स्विबल कोड यानी समान नागरिक कानून की बहस/प्रस्ताव।एक राष्ट्र एक समय,पूरे देश की महत्वपूर्ण आधिकारिक और तकनीकी प्रणालियों के लिए आईएसटी को साझा समय-संदर्भ बनाना,जैसी अवधारणाओं पर चर्चा होती है,इसी व्यापक सोच की अगली महत्वपूर्ण कड़ी अब एक राष्ट्र, एक समय के रूप में सामने आ रही है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत में कानूनी,प्रशासनिक, व्यावसायिक और महत्वपूर्ण तकनीकी कार्यों के लिए भारतीय मानक समय यानी आईएसटी को एक समान आधिकारिक समय-संदर्भ बनाया जाएगा।सुनने में यह केवल घड़ी का समय एक करने जैसा लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह

भारत की डिजिटल और तकनीकी व्यवस्था को अधिक सुरक्षित,सटीक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह चाहूंगा कि सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि भारत में समय की आधिकारिक व्यवस्था क्या है। देश में भारतीय मानक समय यानी इंडियन स्टैंडर्ड टाइम (आईएसटी) लागू है,जो पूरे भारत के लिए एक ही आधिकारिक समय है।सामान्य जीवन में हम मोबाइल,कंप्यूटर,घड़ी या टीवी पर यही समय देखते हैं। लेकिन आधुनिक डिजिटल व्यवस्था में केवल घंटे और मिनट महत्वपूर्ण नहीं हैं। बैंकिंग लेन-देन, शेयर बाजार, इंटरनेट नेटवर्क,रेलवे सिग्नल, बिजली ग्रिड, डिजिटल भुगतान और सरकारी सर्वर जैसी प्रणालियों में सेकंड के छोटे हिस्से तक का समय महत्वपूर्ण हो सकता है। किसी डिजिटल लेन-देन का सही समय दर्ज होनाकई बार यह तय करता है कि भुगतान पहले हुआ या बाद में, आदेश कब दिया गया या किसी सिस्टम में कोई घटना ठीक किस समय हुई।टेलीकॉम ऑपरेटर्स (जैसे बीएसएनएल, जिओ,एयरटेल) को अपने सर्वस और नेटवर्क टावरों को भारतीय परमाणु घड़ियों (एटॉमिक क्लॉक्स) के समय के साथ सिंक करना

होगा।सटीक बिलिंग: डेटा उपयोग और कौलिंग की समय-सीमा आधारित बिलिंग में ग्राहकों को अधिक पारदर्शिता मिलेगी। साथियों, इसी आवश्यकता को देखते हुए उपभोक्ता मामले विभाग ने 27 अगस्त 2026 को विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी की है। इन नियमों का उद्देश्य देशभर में कानूनी, प्रशासनिक,व्यावसायिक और अन्य आधिकारिक उद्देश्यों के लिए भारतीय मानक समय को एक समान समय -संदर्भ के रूप में स्थापित करना है। नियम आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 180 दिन बाद लागू होंगे।यह 180 दिनों की अवधि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार,कंपनियां,संस्थानों और तकनीकी प्रणालियों को अपने सर्वर,नेटवर्कसॉफ्टवेयर और समय-संबंधी व्यवस्थाओं में आवश्यक बदलाव करने का अवसर मिलेगा। साथियों, एक राष्ट्र एक समय की जरूरत आज इसलिए बढ गई है क्योंकि भारत अब केवल भौतिक अर्थव्यवस्था नहीं रहा।देश की अर्थव्यवस्था का बहुत बड़ा हिस्साडिजिटल नेटवर्क पर चलता है।एक व्यक्ति अपनेमोबाइल से कुछ सेकंड में दूसरे शहर में पैसा भेज सकता है। शेयर बाजार

में हजारों लेन-देन अत्यंत कम समय में हो सकते हैं। बैंक के सर्वर देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद हो सकते हैं। मोबाइल नेटवर्क लाखों उपकरणों को एक साथ जोड़ते हैं।बिजली ग्रिड लगातार उत्पादन और खपत का संतुलन बनाए रखते हैं। रेलवे और विमानन व्यवस्था समय के बेहद सटीक तालमेल पर निर्भर करती है। ऐसे में यदि अलग-अलग प्रणालियां अलग-अलग समय स्रोतों पर निर्भर हों और उनमें सूक्ष्म अंतर हो, तो डिजिटल रिकॉर्ड और विभिन्न प्रणालियों के बीच समन्वय प्रभावित हो सकता है।यही कारण है कि एक समान समय-संदर्भ केवल घड़ी मिलाने का मामला नहीं है, बल्कि डिजिटल भारत की आधारभूत संरचना को मजबूत करने का विषय है। बैंकिंग और डिजिटल भुगतान में प्रत्येक लेन-देन का टाइम- स्टैम्प महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए यदि किसी व्यक्ति के खाते से पैसा कट गया लेकिन सामने वाले खाते में राशि कुछ देर बाद दिखाई दी, तो दोनों प्रणालियों में दर्ज समय की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।एक विश्वसनीय और समान समय व्यवस्था ऐसे तकनीकी विवादों के समाधान को बहुत अधिक सटीकता से व्यवस्थित बना सकती है। साथियों इसका असर शेयर बाजार परिवहन व दूर संचार

पर भी महत्वपूर्ण हो सकता है। आधुनिक शेयर बाजार में हजारों और लाखों ऑर्डर बहुत कम समय में दर्ज होते हैं। किस ऑर्डर को पहले दर्ज किया गया,किस समय कारोबार हुआ और किसी विशेष गतिविधि का टाइम- स्टैम्प क्या था,ये सभी बातें बाजार की पारदर्शिता के लिए महत्वपूर्ण हैं।भारतीय मानक समय पर आधारित अधिक सटीक समय-सिंक्रोनाइजेशन से वित्तीय बाजारों में रिकॉर्डिंग और निगरानी की व्यवस्था मजबूत हो सकती है।परिवहन क्षेत्र में भी इसका महत्व कम नहीं है। रेलवे में सिग्नलिंग, ट्रेन संचालन और समय- सारणी के लिए सटीक समय जरूरी है। हवाई अड्डों पर उड़ानों, सुरक्षा प्रक्रियाओं और विभिन्न परिचालन गतिविधियों का समन्वय समय के आधार पर होता है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में ट्रकों, मालगाड़ियों और अन्य परिवहन माध्यमों की वास्तविक समय में निगरानी की जाती है। इसलिए समान और विश्वसनीय समय-संदर्भ सप्लाई चेन को अधिक प्रभावी बनाने में मदद कर सकता है।दूरसंचार और इंटरनेट की दुनिया में समय- सिंक्रोनाइजेशन और भी महत्वपूर्ण है। मोबाइल नेटवर्क के अलग-अलग टावरों और नेटवर्क उपकरणों को एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाकर काम करना पड़ता

है। डेटा सेंटर और कंप्यूटर नेटवर्क भी समय के सटीक रिकॉर्ड पर निर्भर करते हैं। यही कारण है कि भारत में अपने विश्वसनीय समय-स्रोतों का विकास रणनीतिक महत्व रखता है।भविष्य में महत्वपूर्ण प्रणालियों के लिए विदेशी समय-स्रोतों पर निर्भरता कम करना भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत कर सकता है। साथियों, इसी संदर्भ में भारत की स्वदेशी उपग्रह प्रणाली नाविक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। नाविक भारत की क्षेत्रीय उपग्रह नेविगेशन प्रणाली है, जिसे इसरो ने विकसित किया है। उपग्रह-आधारित प्रणालियों से सटीक समय-संदर्भ प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ भारत अपने वैज्ञानिक और मेट्रोलॉजी संस्थानों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर सटीक भारतीय मानक समय के प्रसार का बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण प्रणालियों को विश्वसनीय भारतीय समय-स्रोत उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में वाइए रैंबट तकनीक भी महत्वपूर्ण है।सरल भाषा में समझें तो यह अत्यंत सटीक नेटवर्क टाइम- सिंक्रोनाइजेशन तकनीक है, जो फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क के माध्यम से बहुत छोटे समय-अंतर को भी मापने और नियंत्रित करने में सक्षम है।

## एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने



पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यवहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य

प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप व पुदुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहां कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं।

## मल्टीनेशनल और टेक कंपनियों से ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा खतरा?

### रनत जैन

इतिहास कभी मरता नहीं है, वह बार-बार नए रूप में हमारे सामने आता है। सवाल यह है, क्या भारत ने ईस्ट इंडिया कंपनी के इतिहास से कोई सबक सीखा है? 18वीं शताब्दी में व्यापार करने आई यह कंपनी धीरे-धीरे इतनी शक्तिशाली हो गई, उसने भारत के बड़े हिस्से पर राजनीतिक और प्रशासनिक नियंत्रण स्थापित कर लिया। व्यापार उसके लिए केवल कारोबार नहीं था, बल्कि सत्ता तक पहुंचने का रास्ता भी बन गया। आज परिस्थितियां बदली हैं, कंपनियों के नाम बदल गए हैं, तकनीक बदल गई है, सवाल फिर वही खड़ा है— क्या आर्थिक शक्ति धीरे-धीरे राजनीतिक और सामाजिक शक्ति के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी के इतिहास को दोहरा रही है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने व्यापारिक समझौतों, वित्तीय सहायता, सैन्य सुखा और राजनीतिक हस्तक्षेप के जरिए भारतीय रियासतों में अपना प्रभाव बढ़ाया। अनेक भारतीय शासक तत्काल लाभ और सुरक्षा के लिए कंपनी पर निर्भर होते चले गए। परिणाम यह हुआ कि जिस कंपनी को व्यापार के लिए चुना गया था, वही धीरे-धीरे शासक बन गया। आज भारत, 140 करोड़ से अधिक आबादी का देश है। हमारे सामने तलवार लेकर कोई विदेशी कंपनी नहीं खड़ी है। डिजिटल युग में सत्ता का स्वरूप बदल चुका है। डेटा, तकनीक, संचार नेटवर्क, डिजिटल भुगतान, सोशल मीडिया, क्लाउड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ई-कॉमर्स के आधुनिक दौर में यह नए सामरिक संसाधन हैं। जिस कंपनी के पास करोड़ों नागरिकों के व्यवहार, पसंद, आर्थिक गतिविधियों और संचार से जुड़ा विशाल डेटा है, उसके पास केवल व्यापारिक ताकत नहीं रहती; वह समाज की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। 1990 दशक के बाद भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए तेजी से खुला। विदेशी निवेश और वैश्विक व्यापार ने भारत को पूंजी, तकनीक और रोजगार के नए अवसर दिए। इसमें कोई संदेह नहीं है, बहुराष्ट्रीय कंपनियां ने भारतीय अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आर्थिक विकास के साथ एक दूसरा सवाल पैदा हुआ, क्या सरकारों ने आर्थिक उदारीकरण के साथ उतनी ही मजबूती से नागरिकों के अधिकारों और बाजार में प्रतिस्पर्धा की, सुरक्षा को लेकर चिंता की। 2014 के बाद सभी क्षेत्रों में विदेशी निवेश के रास्ते खुले। रक्षा, मीडिया, बैंकिंग सहित संवेदनशील क्षेत्रों में भी चीनी और

विदेशी पूंजी की भूमिका बढ़ी। भारतीय कंपनियों और वैश्विक कंपनियों के बीच साझेदारियां हुईं। यह जब बड़ी कंपनियां इतनी शक्तिशाली हो जाएं, कि बाजार, उपभोक्ता और सरकार, तीनों उनकी तकनीकी व्यवस्था पर निर्भर होने लगे, तब लोकतंत्र के लिये ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा खतरा पैदा होता है। ईस्ट इंडिया कंपनी के पास बंदूक थी; आज की डिजिटल कंपनियों के पास एल्गोरिथ्म है। उस समय ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापारिक रास्तों को माध्यम बनाकर शासक को नियंत्रित करती थी। आज डिजिटल कंपनियां सूचना और संचार माध्यम से शासन को प्रभावित कर रही है। उस समय सत्ता पर कब्जे का रास्ता आर्थिक निर्भरता से होकर जाता था। वर्तमान में डिजिटल निर्भरता उससे भी बड़ा जोखिम पैदा कर रही है। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब सरकारें भी निजी क्षेत्र की कंपनियों के तकनीकी ढांचे पर अत्यधिक निर्भर हो जाएं। नागरिकों की पहचान, भुगतान, संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और प्रशासन का बड़ा हिस्सा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हो गया है। ऐसे में प्रश्न केवल यह नहीं रह जाता, कंपनी कितना मुनाफा कमा रही है। प्रश्न यह है, टेक एवं बहुराष्ट्रीय कंपनी के पास कितनी शक्तिशाली हो रहें हैं। उस शक्ति पर संविधान, शासन एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था का नियंत्रण कितना है? कॉर्पोरेट लॉबिंग भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बड़ी चुनौती है। कानून जनता के हित में बनेंगे या उन कंपनियों के हित में बनेंगे, जिनके पास सरकारों और नीति-निर्माताओं को प्रभावित करने के लिए विशाल संसाधन हैं। यह सवाल दुनिया के अनेक लोकतांत्रिक देशों में उठ रहा है। अमेरिका और यूरोप में बिग टेक की बाजार शक्ति, डेटा नियंत्रण और उनके जनीतिक प्रभाव पर जो बहस हो रही है, वह इसी चिंता को दर्शाती है। भारत के सामने चुनौती विदेशी कंपनियां अकेली की नहीं हैं, चुनौती है, किसी भी कंपनी का इतना शक्तिशाली हो जाना कि सरकार, बाजार और नागरिक उसके बिना आर्थिक एवं सामाजिक रूप से अशक्त हो जायें। यह शक्ति विदेशी कंपनी के पास हो या भारतीय कंपनी के पास, लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा समान है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत को सिखाया था, जब राज्य कमजोर और आर्थिकहित अत्यधिक शक्तिशाली हो जाएं, तो शासन व्यवस्था खतरे में पड़ती हैं। स्वतंत्र भारत में उसी इतिहास को, डिजिटल युग की रौशनी में देखने की जरूरत है।

### रमेश चंद्र शर्मा

बापू के अपने शब्दों में, 'राष्ट्र के प्रत्येक घटक की ओर उसमें भी उसके गरीब-से-गरीब व्यक्ति की स्वतंत्रता की सिद्धि।' यही स्वराज्य की मूल कसौटी है। इसके लिए केवल राजनीतिक संघर्ष पर्याप्त नहीं था। गांधी ने कहा, 'स्वराज्य की स्थापना के लिए जिस अहिंसक पुरुषार्थ की जरूरत है, उसके लिए यह जरूरी है कि रचनात्मक कार्यक्रम का अमल समझ-बूझकर किया जाय। 'सविनय कानून-भंग और सत्याग्रह, चाहे व्यक्तिगत हो या सामूहिक, रचनात्मक कार्यों के सहायक हैं। वे समाज में अहिंसक प्रतिरोध की शक्ति पैदा करते हैं और रचनात्मक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का अवसर देते हैं। गांधी ने कहा था, 'सविनय कानून-भंग या सत्याग्रह, फिर वह सामूहिक हो या व्यक्तिगत, रचनात्मक कार्य का सहायक है, और वह सशस्त्र विद्रोह का स्थान भलीभांति ले सकता है। 'इसलिए उनके यहां संघर्ष और निर्माण अलग-अलग प्रक्रियाएं नहीं हैं। सत्याग्रह अन्याय का प्रतिरोध करता है, जबकि रचनात्मक कार्य उस समाज के निर्माण की कोशिश करता है जिसमें अन्याय और हिंसा के लिए जगह कम होती जाए। गांधी ने इसी संदर्भ में कहा, 'सत्याग्रह में तालीम का अर्थ है, रचनात्मक कार्यक्रम या तामीरी काम। 'रचनात्मक कार्य हिंसा, द्वेष, अलगाव, शोषण, बेरोजगारी और सामाजिक र्विक्ता का विकल्प प्रस्तुत करता है। समाज को स्वावलंबी, सक्रिय, उत्पादक और सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ उसे जोड़ने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में समता, सक्रियता, कुशलता, समझदारी, साझापन, जागरूकता, निर्भयता, शिक्षा और संगठन को बढ़ावा दिया जा सकता

है। रचनात्मक कार्यों का एक महत्वपूर्ण पक्ष समाज के प्रत्येक घटक से संपर्क और संवाद स्थापित करना है। इसके माध्यम से लोगों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू होता है। किसी समाज में प्रवेश का

किसान, मजदूर, आदिवासी, स्त्री, विद्यार्थी, गरीब, बीमार और समाज के वे लोग भी शामिल थे, जिन्हें मुख्यधारा अक्सर पीछे छोड़ देती है। इसीलिए रचनात्मक कार्यक्रम का लक्ष्य समाज के किसी एक हिस्से का

लचक और व्यापारिकता दिखाई देती है। रचनात्मक कार्यों का चयन समय, स्थान, क्षेत्र, माहौल, वातावरण, अपनी क्षमता और आवश्यकता के अनुसार किया जा सकता है। विचार-विमर्श, चिंतन-



यह ऐसा रास्ता है, जहां सेवा और संवाद एक-दूसरे से जुड़ते हैं। लोगों की वास्तविक समस्याओं को समझने और उन्हें समाधान की प्रक्रिया में सहभागी बनाने का अवसर मिलता है। गांधी ने रचनात्मक कार्यक्रम की सूची में कौमी एकता, अस्पृश्यता-निवारण, शराबबंदी, खादी, ग्रामोद्योग, गांव की सफाई, नई या बुनियादी तालीम, बड़ों की तालीम, स्त्रियां, आरोग्य के नियमों की शिक्षा, प्रांतीय भाषाएं, राष्ट्रभाषा, आर्थिक समानता, किसान, मजदूर, आदिवासी, कोढ़ी और विद्यार्थी सहित 18 विषयों को रखा। पशु सुधार (गौ रक्षा), सविनय कानून-भंग और कोरेंस को भी 'रचनात्मक कार्यक्रम : उसका रहस्य और स्थान' में शामिल किया गया है। इस सूची को देखने से गांधी की सामाजिक दृष्टि की व्यापकता समझ में आती है। उनके लिए राष्ट्र केवल राजनीतिक संस्था नहीं था। उसमें

सुधार नहीं, बल्कि समग्र सामाजिक परिवर्तन था। रचनात्मक कार्यक्रम की एक विशेषता यह भी है कि गांधी ने इसे अंतिम या अपरिवर्तनीय सूची नहीं माना। उन्होंने इसकी प्रस्तावना में स्पष्ट किया था कि 'इसमें शामिल किये गये विषय किसी खास सिलसिले से नहीं लिखे गये हैं; निश्चय ही उन्हें उनके महत्व के अनुसार स्थान नहीं मिला है। ' उन्होंने आगे कहा, 'किसी खास विषय को, जो पूर्ण स्वराज्य का रचना की दृष्टि से अपना महत्व रखता है, इस कार्यक्रम में जगह नहीं मिली है, तो उन्हें समझ लेना चाहिए कि वह जान-बूझकर नहीं छोड़ा गया है। वे बिना हिचकिचाये उसे मेरी सूची में शामिल कर लें और मुझे बता दें। मेरी यह सूची पूर्ण होने का दावा नहीं करती; यह तो महज मिसाल के तौर पर पेश की गयी है। 'इस कथन में गांधी के विचार की

मनन और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नए कार्य को इसमें शामिल करने की गुंजाइश बनी रहती है। यही बात आज के संदर्भ में रचनात्मक कार्यक्रम को प्रासंगिक बनाती है। गांधी के समय जिन समस्याओं के समाधान के लिए खादी, ग्रामोद्योग, ईद तालीम या गांव की सफाई जैसे कार्यक्रम सामने आए थे, आज उनके रूप बदल सकते हैं, लेकिन उनकी मूल भावना बनी रह सकती है। स्थानीय रोजगार, स्वावलंबन, श्रम की प्रतिष्ठा, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक समता और पर्यावरण संरक्षण जैसे सवालों को आज के रचनात्मक कार्यक्रम का हिस्सा बनाया जा सकता है। गांधी का जोर इस बात पर था कि परिवर्तन बाहर से थोपा न जाए, बल्कि समाज की अपनी भागीदारी से पैदा हो। रचनात्मक कार्य इसी भागीदारी का रास्ता खोलता है। इसमें व्यक्ति केवल किसी अभियान का दर्शक

नहीं रहता, बल्कि अपने जीवन और समाज को बदलने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाता है। आज हिंसा, द्वेष, सामाजिक अलगाव, आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और पर्यावरणीय संकट जैसी चुनौतियां हमारे सामने हैं। ऐसे समय में रचनात्मक कार्य को केवल गांधी के समय की राजनीतिक रणनीति मानना उसके व्यापक अर्थ को सीमित करना होगा। इसका मूल संदेश आज भी यही है कि समाज को बदलने के लिए प्रतिरोध के साथ निर्माण जरूरी है। 'रचनात्मक कार्यक्रम : उसका रहस्य और स्थान' इस दृष्टि को समझने की महत्वपूर्ण पुस्तक है। 64 पृष्ठों की यह पुस्तक आकार में छोटी है, लेकिन गांधी के सामाजिक और राजनीतिक चिंतन को समझने के लिए उपयोगी है। गांधी विचार साहित्य व्यापक स्तर पर उपलब्ध है। उसके स्वाध्याय से रचनात्मक कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं को समझा जा सकता है। गांधी को केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के नेता के रूप में देखना उनके विचार को अपूर्ण समझना होगा। उनका स्वराज्य व्यक्ति की स्वतंत्रता, समाज की समता, आर्थिक न्याय, श्रम की प्रतिष्ठा और अहिंसक सामाजिक व्यवस्था से जुड़ा था। रचनात्मक कार्य इन सभी को जोड़ने वाला माध्यम था। इसलिए आज गांधी के रचनात्मक कार्यक्रम को पढ़ते हुए सबसे जरूरी सवाल यह है कि हमारे समय के रचनात्मक कार्य कौन-से हों। किन कामों से समाज में स्वावलंबन बढ़ेगा, किनसे अलगाव कम होगा, किनसे अंतिम व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित होगी और किनसे हिंसा के स्थान पर सहयोग की संस्कृति विकसित होगी-इन सवालों पर विचार करना गांधी के रचनात्मक चिंतन को वर्तमान से जोड़ना है।

## आज का राशिफल

मेघ- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम को कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक- 1-5-7 वृष - अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। प्रियजनों से सामगाम का अवसर मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक- 2-5-7 मिथुन - बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन कार्य सफल होंगे। धार्मिक कार्य के समय और धन व्यय होगा। शुभांक- 3-6-7

कर्क - अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वैचारिक द्वंद्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, ड़्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बर्नेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक- 4-3-6 सिंह - दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक- 4-6-9 कन्या- सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। सुख-आनंद कारक समय है। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों के चेष्टएं प्रबल होंगी। शुभांक- 3-5-6 तुला - भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना

है। पारिवारिक विवाद टालें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्यस्थ से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक- 2-6-7 वृश्चिक - व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजननों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उत्प्रेरक का शुरुआत हो सकती है। शुभांक- 1-5-7 धनु - खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेंगे। शुभांक- 2-4-5

मकर - मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। शुभांक- 5-7-9 कुम्भ- शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का सामगाम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजननों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक- 3-6-9 मीन- स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से सामगाम का अवसर मिलेगा। शुभांक- 3-5-6

# विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश, दुकानदारों को फुटपाथ और सड़क पर सामान नहीं फैलाने की चेतावनी



**मीडिया ऑडीटर, इटारसी ( निप्र )।** शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था और लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। कृषि उपज

मंडी परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने अधिकारियों को सड़कों और बाजार क्षेत्रों में यातायात बाधित करने वाले फल ठेलों और अन्य अतिक्रमण को

हटाने के निर्देश दिए उन्होंने फल विक्रेताओं से अपील की कि वे मुख्य सड़कों से अपने ठेले स्वयं हटा लें यदि विक्रेताओं ने स्वेच्छा से ठेले नहीं हटाए तो प्रशासन द्वारा उन्हें जब्त करने की कार्रवाई

की जाएगी विधायक ने कहा कि शहर की सड़कों पर ठेले और दुकानों का सामान फैलने से यातायात प्रभावित होता है इससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है उन्होंने अधिकारियों से यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

बैठक में विधायक ने कहा कि फल और सब्जी विक्रेताओं की मांग के आधार पर पहले सब्जी मंडी में उनके लिए व्यवस्था की गई थी। इसके बावजूद मुख्य सड़कों और बाजार क्षेत्रों में ठेले लगाए जा रहे हैं इससे सड़के संकरी हो रही हैं और वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है उन्होंने फल विक्रेताओं से कहा कि वे प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार करने के बजाय स्वयं निर्धारित स्थान पर ठेले लगाए प्रशासन द्वारा नियमों का पालन नहीं करने वालों

के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विधायक ने शहर के दुकानदारों को भी स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपनी दुकानों के बाहर फुटपाथ और सड़क पर सामान रखकर अतिक्रमण न करें उन्होंने कहा कि दुकानों के बाहर सामान फैलाने से पैदल चलने वालों के लिए रास्ता कम हो जाता है और यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती है इससे आम लोगों के साथ विशेष रूप से महिलाओं और अन्य पैदल राहगीरों को आवाजाही में परेशानी होती है अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निर्धारित सीमा से बाहर सामान रखने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। समीक्षा बैठक में शहर की अन्य व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई एसडीएम निलेश कुमार

शर्मा और सीएमओ सुरेखा जाटव सहित संबंधित अधिकारी बैठक में मौजूद रहे बैठक में पेयजल आपूर्ति की स्थिति, पट्टा नवीनीकरण और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषयों की समीक्षा की गई इसके अलावा गर्ल्स स्कूल और कॉलेज के आसपास छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए विधायक ने सोनासांवरी ब्रिज के निर्माण कार्य की भी समीक्षा की और निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने, अतिक्रमण हटाने और नागरिकों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया अब देखना होगा कि प्रशासन इन निर्देशों के बाद सड़क किनारे लगे ठेलों और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ किस तरह की कार्रवाई करता है।

## एमसीबी में अब तक 1093 मिमी औसत बारिश, कोटाडोल में सबसे ज्यादा वर्षा

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में इस वर्ष मानसून के दौरान अच्छी बारिश दर्ज की गई है जिले में 1 जून से 3 सितंबर 2026 तक कुल 1093.0 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त वर्षा संबंधी आंकड़ों के अनुसार जिले की विभिन्न तहसीलों में बारिश की मात्रा में काफी अंतर देखने को मिला है कोटाडोल तहसील में सर्वाधिक 1486.7 मिमी, जबकि खड़गवां तहसील में सबसे कम 783.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिले में दर्ज वर्षा के तहसीलवार आंकड़ों पर नजर डालें तो मनेन्द्रगढ़ तहसील में 1070.3 मिमी, चिरमिरी में 990.1 मिमी, केल्हारी में 930.2 मिमी, भरतपुर में 1297.0 मिमी तथा कोटाडोल में 1486.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है वहीं खड़गवां में अब तक 783.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है आंकड़ों के अनुसार कोटाडोल में जिले की अन्य तहसीलों की तुलना में सबसे अधिक बारिश

हुई है यहां दर्ज 1486.7 मिमी वर्षा के मुकाबले खड़गवां में बारिश का आंकड़ा करीब आधा है भरतपुर तहसील में भी 1297.0 मिमी बारिश दर्ज होने से यहां अच्छी वर्षा हुई है मनेन्द्रगढ़ में 1070.3 मिमी तथा चिरमिरी में 990.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है केल्हारी में अब तक 930.2 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है लगातार हो रही बारिश से जिले के जलस्रोतों और नदी-नालों के जलस्तर में भी वृद्धि हुई है अच्छी वर्षा का असर कृषि कार्यों पर भी देखने को मिल रहा है हालांकि अधिक बारिश वाले क्षेत्रों में जलभराव और नदी-नालों से नहर खड़ी जा रही है तहसील स्तर पर प्राप्त आंकड़ों के आधार पर जिले में बारिश की स्थिति का आकलन किया जा रहा है आगामी दिनों में होने वाली बारिश के साथ जिले की औसत वर्षा में और वृद्धि होने की संभावना बनी हुई है।

## स्ट्रीट फूड कारोबारियों को स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का प्रशिक्षण, 230 विक्रेताओं को बांटी गई हाइजीन किट

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** जिले में स्ट्रीट फूड कारोबार से जुड़े खाद्य विक्रेताओं को स्वच्छता एवं सुरक्षित खाद्य प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष पहल की जा रही है अभियान के तहत जिले के 230 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य स्वच्छता और सुरक्षित खाद्य प्रबंधन से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही विक्रेताओं को स्वच्छता संबंधी आवश्यक सामग्री वाली हाइजीन किट का वितरण भी किया जा रहा है प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना तथा खाद्य विक्रेताओं में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के प्रति



जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है प्रशिक्षण के दौरान विक्रेताओं को खाद्य पदार्थों के सुरक्षित रख-रखाव, व्यक्तिगत स्वच्छता, कार्यस्थल की साफ-सफाई और भोजन को दूषित होने से बचाने के उपायों की जानकारी दी गई। विक्रेताओं को बताया गया कि खाद्य सामग्री तैयार करने और उसका विक्रय करते समय निर्धारित

स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करना आवश्यक है। खाद्य पदार्थों को धूल, गंदगी और अन्य प्रकार के संक्रमण से बचाने के साथ ही उन्हें उचित तरीके से ढककर रखने तथा साफ-सुथरे वातावरण में तैयार करने के लिए भी जागरूक किया गया स्ट्रीट फूड कारोबारियों को स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य

से हाइजीन किट का वितरण भी किया जा रहा है किट में हेड कवर, एप्रन, ग्लव्स, साबुन और तौलिया जैसी आवश्यक सामग्री शामिल है इनका उपयोग भोजन तैयार करने और ग्राहकों को खाद्य सामग्री परोसने के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने में किया जा सकेगा अधिकारियों के अनुसार स्ट्रीट फूड का सेवन बड़ी संख्या में लोग करते हैं। ऐसे में खाद्य पदार्थों की स्वच्छता, सुरक्षित भंडारण और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण से विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा की अच्छी प्रथाओं को अपनाने में मदद मिलेगी और उपभोक्ताओं को भी सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

## 5 लाख के रामलीला मंच की छत आधे घंटे में गिरी, निर्माण में मिलीं कमियां



**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** माखननगर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत सांगाखेड़ा कला में करीब 5 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे रामलीला मंच भवन की छत निर्माण के महज आधे घंटे बाद गिरने के मामले में जांच शुरू हो गई है गुरुवार को जनपद पंचायत द्वारा गठित जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। जांच के दौरान

टीम को निर्माण कार्य में कमियां मिलने की बात सामने आई है वहीं ग्रामीणों ने पंचायत सचिव की कार्यप्रणाली को लेकर विरोध जताते हुए शिकायत की जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रंजीत ताराम ने बताया कि रामलीला मंच भवन की छत गिरने की घटना की जांच के लिए टीम गठित की गई है जांच टीम में एई योगिता मानकर, उपयंत्री हरिकृष्ण और पीसीओ मलखान

सिंह शामिल रहे टीम गुरुवार दोपहर सांगाखेड़ा कला पहुंची और निर्माण स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया अधिकारियों ने निर्माण से संबंधित स्थिति का जायजा लेने के साथ ग्रामीणों से भी बातचीत की सीईओ के अनुसार प्रारंभिक निरीक्षण में निर्माण कार्य में कुछ कमियां सामने आई हैं उन्होंने बताया कि जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद मामले में जिम्मेदारी तय की जाएगी और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार सांगाखेड़ा कला में रामलीला मंच भवन का निर्माण करीब 5 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है बुधवार दोपहर लगभग 3 बजे भवन की छत का लैंटर खला गया था निर्माण कार्य पूरा होने के करीब आधे घंटे बाद ही सैटिंग और लैंटर का हिस्सा

अचानक भरभराकर नीचे गिर गया इसके साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए। घटना के समय मौके पर मजदूर मौजूद थे, लेकिन अचानक मलबा गिरने से कोई मजदूर उसकी चपेट में नहीं आया छत गिरने की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई ग्रामीणों ने पंचायत सचिव की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए निर्माण कार्य में कथित तौर पर लापरवाही और गुणवत्ता की अनदेखी के आरोप लगाए हैं ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी राशि से होने वाले निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि भवन बनने के बाद लंबे समय तक उपयोग में आ सके।

## नर्मदापुरम में 17 हजार के लिए हाईवोल्टेज ड्रामा: MPRDC दफ्तर के बाहर लेटकर बैठा मजदूर, पुलिस पहुंची बाद में हुआ भुगतान



**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** नर्मदापुरम संभाग आयुक्त कार्यालय की बिल्डिंग में स्थित MPRDC ऑफिस के सामने बुधवार दोपहर एक मजदूर ने भुगतान नहीं मिलने पर हंगामा कर दिया करीब 15 मिनट तक वह ऑफिस के बरामदे में जमीन पर लेटा रहा

और बकाया राशि देने की मांग करता रहा इस दौरान उसने आत्मघाती कदम उठाने की धमकी भी दी हंगामा बढ़ने पर पुलिस को बुलाया गया घटनाक्रम के करीब एक घंटे बाद मजदूर का भुगतान कर दिया गया MPRDC के अनुसार, मजदूर की पहचान निमसांडिया

निवासी मनोहर केवट के रूप में हुई है। मनोहर समेत 16 मजदूरों को आउटसोर्स कंपनी के माध्यम से तवा पुल पर भारी वाहनों को रोकने के लिए तैनात किया गया था। सभी मजदूरों ने 16 जून से 31 जुलाई तक ड्यूटी की थी। वेतन नहीं मिलने पर मजदूरों ने कुछ समय के लिए काम बंद कर दिया था बाद में 16 में से 15 मजदूरों के बैंक खातों में भुगतान कर दिया गया मनोहर का इत्तफाक उसका गलत होने के कारण उसका भुगतान पेंडिंग रह गया करीब 17,563 रुपए का डेढ़ महीने का भुगतान अटकने के बाद वह कई दिनों से MPRDC कार्यालय के चक्कर लगा रहा था बुधवार दोपहर करीब 3 बजे वह पहले ऑफिस के गेट के

सामने कागज बिछाकर बैठा और बाद में बरामदे में जमीन पर लेट गया। मजदूर के हंगामे के दौरान कर्मचारियों और आसपास मौजूद लोगों की भीड़ जमा हो गई। आत्मघाती कदम उठाने की धमकी देने पर पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मजदूर को अपने साथ ले लिया। MPRDC के डिवीजनल मैनेजर अनिरुद्ध बंसल ने बताया कि मजदूरों की राशि बैंक को भेजी गई थी। मनोहर का इत्तफाक कोड गलत होने के कारण उसका भुगतान रुक गया था MPRDC सही कर राशि दोबारा बैंक को भेजी गई और बुधवार को ही उसका करीब 17,563 रुपए का भुगतान कर दिया गया।

## शिवपुरी में दोपहर से फिर बारिश का दौर शुरू:देर शाम तक रुक-रुककर हुई, अब तक औसत से 115 मिमी कम दर्ज



**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शिवपुरी जिले में गुरुवार दोपहर से बारिश का दौर फिर शुरू हो गया है रुक-रुक कर होने वाली इस बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया है लेकिन अभी तक जिले में हुई बारिश सामान्य औसत से करीब 115 मिमी कम है 1 जून से 3 सितंबर 2026 तक जिले में 701.52 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य औसत 816.3 मिमी है इससे जाहिर होता है कि इस बार मानसून सामान्य से कम रहा है पिछले साल की तुलना में भी इस बार बारिश आधी से भी कम हुई है 3 सितंबर 2025 तक जिले में 1323.48 मिमी वर्षा हुई थी और पूरे मानसून सीजन में कुल 1585.86 मिमी बारिश दर्ज की गई थी भू-अभिलेख विभाग के अनुसार, जिले में तहसीलवार बारिश के आंकड़ों में कैरौरा सबसे अधिक 787.50 मिमी और बैराड़ सबसे कम 597 मिमी बारिश हुई है जिले के अन्य इलाकों में पोहरी में 652 मिमी, नरवर में 717 मिमी, पिछौर में 774 मिमी, कोलारस में 613 मिमी, बदरवास में 781.50 मिमी और खनियाधाना में 713.50 मिमी बारिश दर्ज की गई है भविष्य में अच्छी बारिश की उम्मीद जताई जा रही है।

## सांदीपनि विद्यालय में जन्माष्टमी की धूम, बच्चों ने दीं रंगारंग प्रस्तुतियां,मटकी फोड़, मटकी सजाओ और बांसुरी सजाओ प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, गुरु-शिष्य परंपरा का बताया महत्व

**मीडिया ऑडीटर,सिवनी ( निप्र )।** शासकीय सांदीपनि विद्यालय, सिवनी मालवा में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया इस अवसर पर विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उसव का माहौल बना रहा जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय में मटकी फोड़, मटकी सजाओ, बांसुरी सजाओ और कृष्ण छवि प्रतियोगिता आयोजित की गई विद्यार्थियों ने आकर्षक ढंग से मटकियों और बांसुरियों को सजाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। वहीं कृष्ण छवि प्रतियोगिता में बच्चों ने भगवान कृष्ण के विभिन्न स्वरूपों को प्रस्तुत कर सभी का ध्यान



आकर्षित किया **कृष्ण के जीवन और आदर्शों पर रखे विचार:** कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भगवान कृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों और संदेशों पर अपने विचार व्यक्त किए बच्चों ने कृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और शिक्षाओं को समझने का प्रयास किया विद्यार्थियों को बताया गया

कि भगवान कृष्ण का जीवन कर्तव्य, सत्य, मित्रता, धैर्य और धर्म के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है कार्यक्रम में गुरु सांदीपनि के महत्व और गुरु-शिष्य परंपरा पर भी विशेष चर्चा की गई विद्यार्थियों को बताया गया कि भगवान कृष्ण ने गुरु सांदीपनि के आश्रम में शिक्षा प्राप्त की थी उन्होंने अपने गुरु के प्रति सम्मान और समर्पण का आदर्श



प्रस्तुत किया भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को गुरुजनों के प्रति सम्मान रखने के लिए प्रेरित किया गया।

**प्राचार्य ने मटकी फोड़ में लिया हिस्सा:** कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्राचार्य विमला अहिखार ने स्वयं मटकी फोड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर

विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया प्राचार्य की सहभागिता से बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला विद्यार्थियों ने तालियों और उत्साह के साथ प्रतियोगिता का आनंद लिया विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक त्योहारों से जोड़ने के साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को मंच

प्रदान करना रहा। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सामूहिक सहभागिता, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों का महत्व भी समझाया गया। **शिक्षकों और विद्यार्थियों की रही सहभागिता:** कार्यक्रम में प्राचार्य विमला अहिखार, माध्यमिक प्रधान पाठक अनिल मसीह और शिक्षक गोविंद खुर्वंशी सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका ज्योति शर्मा ने किया कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिवार की ओर से सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की सराहना की गई शिक्षकों ने बच्चों को उनकी प्रतिभा के लिए प्रोत्साहित करते हुए जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी विद्यालय परिसर में आयोजित इस आयोजन ने विद्यार्थियों में उत्साह के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं के प्रति जुड़ाव को भी मजबूत किया।

संक्षिप्त समाचार

छतरपुर में 24 घंटे में 585 मिमी बारिश दर्ज



**मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर जिले में लगातार बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में जिले में कुल 585.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसमें राजनगर में सबसे ज्यादा 195.2 मिमी पानी गिरा। 1 जून से 3 सितंबर तक जिले में सीजन की कुल बारिश 6574.2 मिमी दर्ज हो चुकी है। लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित है और कई इलाकों में नदी-नाले उफान पर हैं।

**सामान्य बारिश का 76.5 प्रतिशत आंकड़ा पूरा:** जिले की सामान्य औसत वार्षिक वर्षा 1074.9 मिमी है। इसके मुकाबले अब तक करीब 76.5 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। मानसून के अभी और सक्रिय रहने पर सामान्य वार्षिक बारिश का आंकड़ा पार होने की संभावना है। सभी विकासखंडों का औसत 821.8 मिमी यानी 32.4 इंच बारिश दर्ज की गई है।

**गौरिहार में सबसे ज्यादा सीजनल बारिश:** इस सीजन में अब तक सबसे ज्यादा बारिश गौरिहार में 1098.6 मिमी दर्ज की गई है। इसके बाद बड़ामलहरा में 1009.6 मिमी और लवकुशनगर में 972.0 मिमी बारिश हुई है।

**3 सितंबर को कहां कितनी बारिश हुई:** 3 सितंबर को राजनगर में 195.2 मिमी, नौगांव में 87.8 मिमी, लवकुशनगर में 85.0 मिमी, छतरपुर में 67.0 मिमी, बिजावर में 55.0 मिमी, बड़ामलहरा में 42.0 मिमी, गौरिहार में 39.0 मिमी और बक्सवाहा में 14.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

**नदी-नाले उफान पर, जलभराव से लोग परेशान:** लगातार बारिश के कारण जिले के नदी-नाले उफान पर हैं। कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। बारिश के चलते लोग घरों में दुकचे हुए हैं और बाजारों में भी सन्नाटा पसरा है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और जलभराव वाले इलाकों से दूर रहने की अपील की है।

**बुरहानपुर में बदला मौसम, कई इलाकों में बारिश**



**मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)।** बुरहानपुर जिले में लंबे अंतराल के बाद बुधवार को मौसम बदला और बारिश हुई। शहर के कुछ इलाकों में पानी बरसा, जबकि कुछ क्षेत्र सूखे रहे। सिंधीपुरा और आजाद नगर में बारिश हुई, वहीं शनवारा और सिंधी बस्ती में बारिश नहीं हुई। नेपालनगर में बुधवार शाम करीब 4 बजे अचानक मौसम बदला। कुछ देर तेज बारिश हुई, इसके बाद हल्की बूंदबूंदी होती रही। बारिश के बाद मौसम में उठक आ गई।

**डिाधियाखेड़ा में आधे घंटे तक तेज बारिश:** डिाधियाखेड़ा में शाम करीब 5 बजे तेज बारिश हुई। यहां करीब आधे घंटे तक बारिश होती रही। पिछले 10 दिनों से ज्यादा समय से बारिश नहीं हुई थी। इस दौरान अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान करीब 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। बारिश के बाद मौसम में उठक महसूस हुई।

**बलराम जयंती के अवसर पर प्राकृतिक खेती उत्पाद सह संवाद कार्यक्रम आयोजित**

**मीडिया ऑडीटर, हरदा (निप्र)।** बलराम जयंती के अवसर पर उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला हरदा द्वारा जैविक एवं प्राकृतिक हॉट बाजार तथा प्राकृतिक खेती के उत्पाद सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने वाले 6 कृषकों द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। हॉट बाजार में 52 विजिटर/कस्टमर्स ने सहभागिता कर प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों की जानकारी प्राप्त की तथा उत्पादों की खरीदी की। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा भी सहभागिता की गई।उप संचालक कृषि श्री प्रकाश ठकुर ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना, कृषकों को उनके उत्पादों के लिए बेहतर बाजार एवं उपभोक्ता मांग से संबंधित विषयों पर संवाद भी किया गया।

# जमीन विवाद में तलवार व सरिये से हमला

7 साल बाद कोर्ट का फैसला, 5 आरोपियों को 7-7 साल की सजा; दो पत्नियों के कारण हुआ था विवाद

**मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।** रतलाम में जमीन विवाद में तलवार, लोहे के सरिए और लाठियों से हमला करने के करीब सात साल पुराने मामले में कोर्ट ने पांच आरोपियों को दोषी ठहराते हुए 5-5 साल के कारावास की सजा सुनाई है। सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश रतलाम राजेश नामदेव की अदालत ने माना कि आरोपियों ने एकजुट होकर घायलों पर हमला किया था। घटना में इस्तेमाल तलवार और लोहे के सरिए को न्यायालय ने घातक हथियार माना।

**घर के बाहर घेकर किया था हमला:** अपर लोक अभियोजक एवं शासकीय अधिकृता समर्थ पाटीदार ने बताया कि 23 अक्टूबर 2019 की सुबह बिलपांक थाना क्षेत्र के ग्राम कुड़ीपाड़ा में भूमि विवाद को लेकर आरोपियों ने धूलीबाई के घर के बाहर उसकी बेटी



सुभद्रा और दामाद नरसींग के साथ मारपीट की थी। आरोपी बाबू भाषर ने तलवार से नरसींग के सिर पर वार किया था। अन्य आरोपियों ने लोहे के सरिए और लाठियों से दोनों पर हमला किया। धूलीबाई बीच-बचाव करने पहुंची तो उसके साथ भी मारपीट की गई। आरोपियों ने

जमीन नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। सिर में गंभीर चोट, अहमदाबाद में हुआ ऑपरेशन हमले में नरसींग के सिर में गंभीर चोट आई थी। हालत गंभीर होने पर उसे सिविल अस्पताल अहमदाबाद रेफर किया गया, जहां ऑपरेशन कर सिर से ट्यूमर निकाला गया

था। पुलिस ने घटनास्थल से खून लगा टॉवेल और बिस्तर जन्त किए थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनकी निशानदेही पर तलवार और लोहे का सरिया भी बरामद किया गया।

**14 बीघा जमीन को लेकर था विवाद:** मामला

सोना के नाम दर्ज करीब 14 बीघा जमीन को लेकर था। फरियादी धूलीबाई सोना की दूसरी पत्नी थी, जबकि पांचों आरोपी उसकी पहली पत्नी लीलाबाई के रिश्तेदार बताए गए हैं। जमीन को हांकने और ब्रोने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था।

## ● प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही और मेडिकल रिपोर्ट अहम:

कोर्ट ने फरियादी धूलीबाई, घायल नरसींग, घायल सुभद्रा और प्रत्यक्षदर्शी संघा खोडियार के बयानों को विश्वसनीय माना। घायलों की मेडिकल रिपोर्ट और घटनास्थल से बरामद साक्ष्यों को भी अभियोजन के पक्ष में महत्वपूर्ण माना गया।

## ● इन आरोपियों को मिली सजा:

कोर्ट ने बाबू पिता गिरधारी भाषर (55), नानालाल उर्फ नानजी पिता वागुजी देवदा (45), चम्पालाल पिता नानुराम भूरिया (45), राधेश्याम पिता नानुराम भूरिया (36) और देवराम पिता नगजी मईड़ा (63) को दोषसिद्ध करते हुए 5-5 साल की सजा सुनाई है।

# खंडवा में घर के पीछे गांजे की खेती

पुलिस ने 152 पौधे उखाड़े, 68 हजार रुपए कीमत का 17.2 किलो माल जब्त



**मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)।** खंडवा जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत खालवा पुलिस ने अड़ाखेड़ा गांव में गांजे की खेती का मामला पकड़ा है। पुलिस ने एक व्यक्ति के घर के पीछे बने बाड़े से गांजे के 152 हरे पौधे जब्त किए हैं। इनका कुल वजन 17 किलो 200 ग्राम है।

पुलिस के अनुसार, जब्त पौधों की अनुमानित कीमत करीब 68 हजार रुपए है। मामले में आरोपी दादू पिता डायलु कोलकर, निवासी अड़ाखेड़ा के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत केस दर्ज किया गया है। टीआई अनुपमसिंह के अनुसार, 2 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि अड़ाखेड़ा गांव में

## ● एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज:

पुलिस ने पौधों को जब्त करने के बाद दादू पिता डायलु कोलकर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि पौधे कब और किस उद्देश्य से लगाए गए थे और इनका इस्तेमाल या सफाई कहां किया जाना था। एसपी अगम जैन ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री, परिवहन और खेती के खिलाफ अभियान जारी है। अधिकारियों को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

# एसबीआई आरसेटी विदिशा में सितंबर माह में स्वरोजगारपरक प्रशिक्षणों का आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)।** जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से एसबीआई आरसेटी (ऋक्षञ्जट्टू) विदिशा द्वारा सितंबर माह में आयोजित होने वाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कार्यक्रम जारी किया गया है। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रतिभागियों को विभिन्न व्यवसायों की व्यावहारिक जानकारी एवं आवश्यक कौशल प्रदान किए जाएंगे, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वे स्वयं का रोजगार स्थापित कर आय का स्थायी साधन विकसित कर सकें। सितंबर माह में कुल 5 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें लगभग 140 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जाना प्रस्तावित है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विभिन्न विभागों द्वारा सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है।

**5 सितंबर से शुरू होंगे दो प्रशिक्षण:** प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरुआत 5 सितंबर से होगी। इस दिन जूनियर व्यूटी प्रैक्टिशनर (लघु उद्यमी) प्रशिक्षण प्रारंभ होगा, जो 10 अक्टूबर तक चलेगा। यह 35 दिवसीय प्रशिक्षण मामा कोचिंग, विदिशा में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 30 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रशिक्षण में आरसेटी एवं एसआरएलएम की सहभागिता रहेगी।इसी दिन टेलर-इलेक्ट्रिक-1 : वूमెन्स गारमेंट्स प्रशिक्षण भी शुरू होगा। यह प्रशिक्षण 5 सितंबर से 5 अक्टूबर तक कुल 30 दिनों का होगा। इसमें 30 अभ्यर्थियों को महिलाओं के परिधान

निर्माण एवं सिलाई से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण आरसेटी विदिशा में आयोजित होगा।

**जूट उत्पाद निर्माण से उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा:** 10 सितंबर से 24 सितंबर तक जूट प्रोडक्ट एंटरप्राइज प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। 14 दिवसीय इस प्रशिक्षण में 25 अभ्यर्थियों को जूट से विभिन्न उपयोगी एवं व्यवसायिक उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत मनोरा, ब्लॉक न्यारसपुर में किया जाएगा। इसमें आरसेटी एवं एसआरएलएम विभाग की सहभागिता रहेगी।

**गंजबासौदा में होगा जनरल ईंडीपी प्रशिक्षण:** 17 से 23 सितंबर तक जनरल ईंडीपी (उद्यमिता विकास कार्यक्रम) का 6 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसमें 25 अभ्यर्थी भाग लेंगे। प्रशिक्षण का आयोजन अजीविका भवन, गंजबासौदा में किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को उद्यम शुरू करने, व्यवसाय की योजना बनाने तथा स्वरोजगार से जुड़ी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना है।

**कृषि क्षेत्र में भी मिलेगा रोजगारपरक प्रशिक्षण:** सितंबर माह का पांचवां प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 सितंबर से 6 अक्टूबर तक आयोजित होगा। एसोशियल्स ऑफ वेजिटेबल फार्मिंग एंड नर्सरी मैनेजमेंट विषय पर 12 दिवसीय प्रशिक्षण आरसेटी विदिशा में दिया जाएगा। इसमें 30 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

# बीना में रीमॉडलिंग: 15 अक्टूबर तक ट्रेनें रहेंगी प्रभावित

श्रीधाम, भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी समेत कई गाड़ियां रह

**मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)।** भोपाल-दिल्ली और कटनी रेल मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी होगी। पश्चिम मध्य रेलवे के बीना स्टेशन और उत्तर मध्य रेलवे के आगासौद स्टेशन के बीच तीसरी रेल लाइन जोड़ने के लिए याई रीमॉडलिंग का काम किया जा रहा है। यह काम 1 सितंबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा। इस प्री-नॉनइंटरलॉकिंग और नॉनइंटरलॉकिंग काम के कारण रेलवे ने कई प्रमुख ट्रेनों को रह, शॉर्ट टर्मिनेट और डायवर्ट किया है। इनमें कई प्रमुख ट्रेनें पूरी तरह रह रहेंगी। जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस (12192/12191) 26 सितंबर से 14 अक्टूबर तक (जबलपुर से) और 27 सितंबर से 15 अक्टूबर तक (निजामुद्दीन से) रह



रहेगी। भोपाल-ग्वालियर इंटरसिटी (12197/12198) 1 से 15 अक्टूबर तक दोनों तरफ से रह रहेगी। भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस (22161/22162) 9 से 15 अक्टूबर तक (भोपाल से) और 10 से 16 अक्टूबर तक (दमोह से) नहीं चलेगी। साप्ताहिक ट्रेनों में ग्वालियर-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस (2 व 9 अक्टूबर), बेंगलुरु-ग्वालियर (4 व 11 अक्टूबर), रानी कमलापति-संतरागाछी हमसफर (14-15 अक्टूबर)

और भोपाल-खजुराहो महामना (15 अक्टूबर) रह रहेंगी। बीना-ललितपुर, बीना-कटनी मुड़बारा और बीना-रुडियाई मेमू ट्रेनें भी 20 सितंबर से 16 अक्टूबर के बीच अलग-अलग तरीकों में रह रहेंगी। कुछ ट्रेनें अपने तय स्टेशन तक नहीं जाएंगी या बीच रास्ते से ही चलेगीं। भोपाल-दिल्ली शताब्दी (12001/12002) 15 अक्टूबर को रानी कमलापति स्टेशन आने के बजाय ललितपुर में ही खतम होगी और वहीं से दिल्ली के लिए रवाना होगी। बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस (18235/18236) 6 से 15 अक्टूबर तक भोपाल के बजाय बीना मालखेड़ी तक ही चलेगी। कटनी-बीना मेमू खुर्द, कोटा-बीना मेमू मुणाबेली/महादेवखेड़ी और भोपाल-बीना मेमू

मंडीबमौरा स्टेशन पर ही शॉर्ट टर्मिनेट या ओरिजिनेट होगी। कुछ ट्रेनों का रूट भी बदला गया है। र व ा ि ल य र - ब ी न ा (51884/51883) और बीना-दमोह (51885/51886) गाड़ियां बीना स्टेशन के बजाय फलाईओवर से सीधे मालखेड़ी तक चलेगीं। नागदा-बीना एक्सप्रेस (19341/19342) को 20 सितंबर से 16 अक्टूबर तक कटनी मुड़बारा तक बढ़ाया गया है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यदि वे सितंबर या अक्टूबर में बीना रूट पर यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो घर से निकलने से पहले 139 पर अपनी ट्रेन का स्टेटस, ठहराव और स्टेशन जरूर चेक कर लें।

# नर्मदापुरम में बारिश का रेड अलर्ट

4 इंच से ज्यादा पानी गिरने की संभावना, अबतक 27 इंच बारिश

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम जिले में गुरुवार को मौसम विभाग ने भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे में 3 से 4 इंच से ज्यादा बारिश होने की संभावना जताई गई है। सुबह से ही आसमान में घने काले बादल छापे हुए हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक जिले में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। मौसमविद एचएस पांडे के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ होते हुए मध्यप्रदेश की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से 2 से 5 सितंबर तक जिले में बारिश का सिलसिला बना रह सकता है। 3 सितंबर को अधिकांश स्थानों पर बारिश की



संभावना है, जबकि इसके बाद कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

**सामान्य से 18 इंच कम बारिश:** जिले में 1 जून से 3 सितंबर तक औसतन करीब 27 इंच बारिश दर्ज हुई है। पिछले

साल इसी अवधि में 45.22 इंच बारिश हुई थी। इस तरह इस बार पिछले साल की तुलना में करीब 18.24 इंच कम बारिश दर्ज की गई है।

**बरगी डैम के 5 गेट खुलेंगे, नर्मदा का जलस्तर**

# कॉलेज ग्राउंड में 7 फीट लंबा सांप निकला

टाइल्स के नीचे छिपा था इंडियन रैट स्नेक; वन विभाग की टीम ने सुरक्षित जंगल में छोड़ा



**मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)।** इटारसी के शासकीय एमजीएम कॉलेज परिसर में गुरुवार को करीब 7 फीट लंबा सांप मिलने से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। सांप कॉलेज ग्राउंड में एक पेड़ के पास रखी टाइल्स के नीचे छिपा था। कॉलेज के मनीष चौरे ने इसकी सूचना वन विभाग को दी।

**सर्प मित्रों ने किया सुरक्षित रेस्क्यू:** वन परिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर सर्प मित्र अभय चौरे और मोहित मेहरा मौके पर पहुंचे। अभिजीत यादव के मार्गदर्शन में टीम ने सावधानी से टाइल्स हटाकर सांप को बाहर निकाला। रेस्क्यू किया गया सांप करीब 7 फीट लंबा इंडियन रैट स्नेक यानी घोड़ा पछड़ा था।

**विषहीन होता है इंडियन रैट स्नेक:** विशेषज्ञों के मुताबिक इंडियन रैट स्नेक विषहीन प्रजाति का सांप है। यह मुख्य रूप से चूहों का शिकार करता है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। रेस्क्यू के बाद सांप को उसके प्राकृतिक आवास के अनुकूल सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया।

**सांप दिखे तो विशेषज्ञों को सूचना दें :** कॉलेज परिसर में सांप मिलने की खबर के बाद लोगों ने उत्सुकता के साथ दहशत भी रही। सर्प मित्रों ने अपील की कि सांप दिखाई देने पर उसे मारने या खुद पकड़ने की कोशिश न करें। तुरंत वन विभाग या प्रशिक्षित सर्प विशेषज्ञों को सूचना दें।

भारत-ब्राजील फुटबॉल मैत्री मैच को लेकर भारी उत्साह

टिकटों की बिक्री को लेकर जबरदस्त प्रतिक्रिया



**कोलकाता,एजेसी।** : फुटबॉल के प्रति जुनून के लिए मशहूर कोलकाता के प्रशंसकों ने अगले महीने होने वाले बहुप्रतीक्षित भारत-ब्राजील मैत्री मैच के लिए बुधवार को ऑनलाइन टिकट बिक्री शुरू होते ही जबरदस्त उत्साह दिखाया। इस मुकाबले के कम कीमत वाले टिकट ऑनलाइन बिक्री शुरू होने के एक घंटे के

भीतर ही बिक गए। भारत तीन अक्टूबर को पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील से भिड़ेगा। खेल और खासकर ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के प्रति जुनूनी इस शहर में मुकाबले को लेकर फुटबॉल का रोमांच पहले ही चरम पर पहुंचने लगा है। टिकटों की कीमत 999 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक है। बुधवार को कुल कितने

टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए इसका तत्काल पता नहीं चल सका। हालांकि विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगण (VYBK) में होने वाले इस मुकाबले के लिए 'डिस्ट्रिक्ट' पर ऑनलाइन बिक्री शुरू होने के एक घंटे के भीतर ही कम कीमत वाले टिकट बिक गए। टिकटों की कीमत 999 रुपए, दो हजार रुपए, ढाई हजार रुपए, साढ़े

तीन हजार रुपए, साढ़े चार हजार रुपए, छह हजार रुपए, 7 हजार रुपए, 9 हजार रुपए और बीआईपी सीटों के लिए 15 हजार रुपए रखी गई है।

VYBK की दर्शक क्षमता करीब 67,000 है और उम्मीद है कि इनमें से 70 प्रतिशत सीटों के टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। भारतीय टीम इस हाई प्रोफाइल मैत्री श्रृंखला में पनामा और दो बार के विश्व चैंपियन उरुग्वे से भी भिड़ेगी। भारत 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा की मेजबानी करेगा। इसके बाद टीम कोलकाता पहुंचेगी जहां तीन अक्टूबर को ब्राजील और फिर छह अक्टूबर को उरुग्वे का सामना करेगी। ब्राजील के खिलाफ मुकाबले के टिकट केवल ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए हैं और काउंटर से टिकट नहीं मिलेंगे।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) इस बार भौतिक टिकट जारी नहीं करेगा। सभी पास डिजिटल प्रारूप में दिए जाएंगे जैसा फीफा विश्व कप के दौरान किया गया था। भारत के मुख्य कोच खालिद जमील ने फीफा मैत्री मुकाबलों के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा पहले ही कर दी है। राष्ट्रीय शिविर 14 सितंबर से बेंगलुरु में शुरू होगा। पनामा के खिलाफ मुकाबले के दो दिन बाद 28 सितंबर को टीम कोलकाता रवाना होगी। तीनों

रोहित शर्मा के ‘रिटायरमेंट’ को लेकर बड़ा दावा

● भारतीय ओनपर भी हो गए थे सहमत



**नई दिल्ली ,एजेसी।** : गुरुवार को BCCI की बैठक में रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के भविष्य पर चर्चा होगी, क्योंकि भारत ने 2027 ह्यूड्ड वर्ल्ड कप की तैयारी शुरू कर दी है। रोहित के उलट, विराट और जडेजा पर अभी कोई खास दबाव नहीं है। ब्रह्मदू की रिपोर्ट के अनुसार ऐसी चर्चा है कि सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन अजीत अगरकर के बजाय कमेटी के एक सदस्य ने रोहित को बताया था कि पैनल ने आगे बढ़ने (उन्हें टीम से हटाने) का फैसला किया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि हालांकि रोहित नाराज थे, लेकिन ऐसी चर्चा थी कि वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद रिटायर होने के लिए सहमत हो गए थे। हालांकि, लॉर्ड्स में आखिरी वनडे में शानदार 138 रन बनाने के बाद फिलहाल उनके रिटायरमेंट की संभावना खत्म हो गई। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोटी रोड्स ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में 'हिटमैन' (रोहित) के अनुभव और विराट की उस भूख का जिक्र किया जो उन्हें एक 'बेहतरीन फिनिशर' बनाती है। खेल के इतिहास के सबसे बेहतरीन फील्डर्स से से एक जोटी ने यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (श्रद्धांजलि) के पहले सीजन में रॉटरडैम डॉक्स के को-ओनर के तौर पर एक 'हाई भूमिका संभाली है।

टेस्ट सीरीज के लिए BCCI ने 5 तेज गेंदबाजों को किया शॉर्टलिस्ट

शमी-नबी को नहीं मिली जगह



**नई दिल्ली ,एजेसी।** भारत के आगामी न्यूजीलैंड दौरे पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज को लेकर BCCI ने तेज गेंदबाजी विकल्पों पर काम शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पांच तेज गेंदबाजों को अपनी योजना में रखा है। हालांकि, अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज ओफिब नबी का नाम इस शॉर्टलिस्ट में नहीं बताया गया है।

22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक न्यूजीलैंड दौरा भारत का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान दोनों टीमों के बीच पांच टी20 इंटरनेशनल, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। टेस्ट सीरीज भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि यह WTC 2025-27 चक्र में शीर्ष दो स्थानों पर रहने और 2027 में द ओवल में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की भारत की कोशिश का अहम हिस्सा है।

● BCCI की नजर इन 5 तेज गेंदबाजों पर

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय टीम मैनेजमेंट ने न्यूजीलैंड में तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी के लिए इन पांच खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है:

- जसप्रीत बुनराज
- मोहम्मद सिराज
- प्रसिद्ध कृष्णा
- गुरनूर बराड़
- आकाश दीप

हालांकि, इन सभी की उपलब्धता और फिटनेस को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

● शमी की वापसी पर सस्पेंस बरकरार

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कथित तौर पर चयनकर्ताओं की मौजूदा योजना का हिस्सा नहीं हैं। शमी ने 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड में भी उनका रिकॉर्ड प्रभावशाली रहा है, जहां उन्होंने पिछली चार टेस्ट पारियों में 15 विकेट अपने नाम किए हैं। इसके बावजूद रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूजीलैंड सीरीज के लिए तैयार की गई शॉर्टलिस्ट में शमी का नाम नहीं है। ओफिब नबी को भी नहीं मिली जगह जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज ओफिब नबी दर को

रिकॉर्ड छटे खिताब के लिए उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

**मोकी (चीन),एजेसी।** : एएचएफ जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय अंडर-21 पुरुष टीम रिकॉर्ड छठा महाद्वीपीय खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय पुरुष टीम इस प्रतियोगिता की पिछली तीन बार की चैंपियन है और अब तक पांच बार खिताब जीत चुकी है।वहीं भारतीय महिला टीम भी लगातार तीसरी टूर्नाफी अपने नाम करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। महिला टीम पिछले दो संस्करणों की चैंपियन है।

**शिलेमा चानू संभालेंगी महिला टीम की कप्तानी**-महिला टीम की कप्तान मिडफील्डर खैदेम शिलेमा चानू के हाथों में है। इस साल की शुरुआत में मुख्य कोच का पद संभालने वाले टिम व्हाइट की देखरेख में टीम ने टूर्नामेंट के लिए कड़ी तैयारी की है। तैयारी के तहत भारतीय टीम



ने ब्रिटेन का दौरा भी किया, जहां उसने स्कॉटलैंड की सीनियर महिला टीम के अलावा अमेरिका अंडर-21, इंग्लैंड अंडर-21 और बेल्जियम अंडर-21 टीमों के खिलाफ मुकाबले खेले।

**दक्षिण कोरिया के खिलाफ अभियान की शुरुआत**- एलीट पूल में

शामिल भारतीय महिला टीम 5 सितंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद भारत का सामना:

- 6 सितंबर: मलेशिया
- 8 सितंबर: जापान
- 9 सितंबर: मेजबान चीन से होगा।

ODI World Cup 2027 को लेकर BCCI की बड़ी बैठक

रोहित-कोहली-जडेजा के भविष्य पर होगा फैसला



**मुंबई,एजेसी।** भारतीय क्रिकेट टीम के अगले ह्यूड्ड वर्ल्ड कप अभियान की तैयारियों को लेकर ब्रह्मदू की आज मुंबई स्थित मुख्यालय में अहम समीक्षा बैठक होने जा रही है। इस बैठक में टीम के प्रदर्शन, चयन और भविष्य की रणनीति के साथ-साथ रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की वनडे टीम में भूमिका पर भी चर्चा होगी।

बैठक का सबसे बड़ा मुद्दा रोहित शर्मा का ह्यूड्ड भविष्य माना जा रहा है। वहीं, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की टीम में जगह फिलहाल मजबूत मानी जा रही है। हालांकि,

आगामी वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते

हुए तीनों खिलाड़ियों की भूमिका और उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा होगी।

**कौन-कौन बैठक में होगा शामिल**- BCCI की इस हाई-लेवल समीक्षा बैठक में भारतीय क्रिकेट से जुड़े कई बड़े अधिकारी और टीम के प्रमुख सदस्य हिसा लेंगे। इसमें कप्तान शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, मुख्य कोच गौतम गंभीर, चीफ सैलेक्टर अजीत अगरकर और ब्रह्मदू सचिव देवजीत सैकिया शामिल हैं। बैठक में ज्यादातर सदस्य व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहेंगे, जबकि श्रेयस अय्यर के वचुअली जुड़ने की उम्मीद है।

इस बैठक का उद्देश्य हाल के दौरों में भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा

करने के साथ-साथ अगले ह्यूड्ड वर्ल्ड कप के लिए रणनीतिक रोडमैप तैयार करना है।

**आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के प्रदर्शन पर भी नजर**- भारतीय टीम के हालिया प्रदर्शन ने ब्रह्मदू की चिंता बढ़ाई है। समीक्षा बैठक में आयरलैंड और इंग्लैंड दौरों के प्रदर्शन पर खास तौर पर चर्चा होगी। भारत को आयरलैंड में 320हू सीरीज में 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर टीम को 4-0 से करारी हार झेलनी पड़ी। नॉटिंग्म में भारत का महज 125 रन पर ढेर होना हालिया दौर की सबसे खराब घटनाओं में से एक माना गया।

बद्रीनाथ ने धोनी ने CSK में इम्पैक्ट प्लेयर के किया खुलासा, तौर पर साफ कर दिया था अपना रुख

**नई दिल्ली ,एजेसी।** चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के पूर्व बल्लेबाज एस बद्रीनाथ ने खुलासा किया है कि महेंद्र सिंह धोनी खुद को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतरते हुए नहीं देखते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीजन से पहले अपनी भूमिका को लेकर उठ रहे सवालों के बावजूद फुल-टाइम विकेटकीपर के तौर पर खेला जारी रखने की अपनी इच्छा व्यक्तिगत रूप से बताई है। एक और सीजन में प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद इच्छा के लिए धोनी का भविष्य और उनकी संभावित भूमिका चर्चा का मुख्य विषय बन गए हैं। उनके शारीरिक वर्कलोड (काम के बोझ) को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, और बद्रीनाथ का कहना है कि धोनी का चुनिंदा मैचों में इस्तेमाल करने से पांच बार की चैंपियन टीम को रणनीतिक फायदा हो सकता है, हालांकि अनुभवी विकेटकीपर ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है।

ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मुझसे कहा है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलेंगे। वह खुद को फुल-टाइम कीपर के तौर पर देखते हैं और इसका मतलब है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक मैदान



पर रहना होगा। इसलिए वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलेंगे लेकिन मुझे लगता है कि अगर वह ऐसा करते हैं, तो इससे इच्छा को रणनीतिक फायदा होगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'उनका शरीर लंबे समय तक खेलने का दबाव नहीं झेल सकता, जैसा कि प्लेसिंग ने भी कहा है। वह केवल 16वें ओवर के बाद बल्लेबाजी करने और विकेटकीपिंग करने वाले हैं। जब उनकी भागीदारी इतनी कम है, तो वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर आदर्श रहेंगे।'

CSK के पूर्व खिलाड़ी ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर चल रही व्यापक बहस पर भी अपनी राय रखी, खासकर इस नियम का शिवम दुबे के लिए एक गेंदबाज के तौर पर मिलने वाले मौकों पर क्या असर पड़ता है, इस पर बात की। बद्रीनाथ ने इस बात

को खारिज कर दिया कि इच्छा के लिए दुबे के नियमित रूप से गेंदबाजी न करने के लिए यह नियम जिम्मेदार है। बद्रीनाथ ने कहा, 'शिवम का भारत के लिए गेंदबाजी करना लेकिन इच्छा के लिए न करना, इम्पैक्ट प्लेयर नियम की वजह से नहीं है। इसका संबंध इच्छा मैनेजमेंट और उनके द्वारा दुबे का गेंदबाजी में इस्तेमाल न करने से है। वे उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर क्यों इस्तेमाल कर रहे हैं इसके लिए नियम को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।'

बद्रीनाथ ने टीम द्वारा अकील हुसैन के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। 'इन्होंने तर्क दिया कि इस स्पिनर को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर रिजर्व में रखने के बजाय शुरुआती प्लेइंग XI में अपने आप चुना जाना चाहिए।

3 'किसी ने पूरा सिस्टम बर्बाद कर दिया', टीम में उथल-पुथल के बीच पाकिस्तानी स्पिनर का रहस्यमयी पोस्ट वायरल

**नई दिल्ली ,एजेसी।** हाल के दिनों में पाकिस्तान क्रिकेट गलत वजहों से सुर्खियों में रहा है क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौर से सात खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को हटा दिया है। इस कदम की विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने कड़ी आलोचना की है, आलोचकों में पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर रमीज राजा और टीम के पूर्व कोच मिकी आर्थर भी

शामिल हैं। इस आलोचना के बीच पाकिस्तान के स्पिनर उसामा मीर ने देश में क्रिकेट के पतन पर तंज कसते हुए कहा है कि असली दोषी पर किसी का ध्यान नहीं गया।

मीर ने जू पर एक पोस्ट में लिखा, 'हैरानी की बात है कि किसी ने पूरा सिस्टम बर्बाद कर दिया और किसी को पता भी नहीं चला।' इसके बाद मीर ने अपनी बात कहने के लिए एक आम स्थानीय कहावत का इस्तेमाल



किया। उन्होंने लिखा, 'अब पछताए क्या होत जब चिड़िया चुग गई खेत (अब पछताने का कोई फायदा नहीं, क्योंकि नुकसान हो चुका है)।' हालांकि मीर ने अपने रहस्यमयी पोस्ट में किसी खास व्यक्ति का जिक्र नहीं किया और यह भी साफ नहीं किया कि वह किसकी बात कर रहे हैं।

लेग-स्पिनर मीर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में पाकिस्तान के लिए 12 वनडे और

पांच 320हू मैच खेले हैं। वह आखिरी बार दो साल से भी पहले, जनवरी 2024 में खेले थे। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौर के दौरान किए गए बड़े बदलावों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदर्शन के आधार पर नहीं, बल्कि 'आंतरिक उथल-पुथल और मतभेदों के पुराने चक्र' को दर्शाता है।

# रामगढ़ में मितानिन बहनों से पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने किया आत्मीय संवाद

मितानिन बहनें छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत और महत्वपूर्ण कड़ी: राजेश अग्रवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मितानिन बहनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे स्वास्थ्य तंत्र और ग्रामीण समुदाय के बीच मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करते हुए लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। मितानिन बहनें हमारे छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत और महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। यह बात पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कही। विधानसभा अंबिकापुर अंतर्गत विकासखंड उदयपुर के रामगढ़ में आज मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने मितानिन बहनों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने मितानिन बहनों से आत्मीय चर्चा कर उनके कार्यों, अनुभवों, समस्याओं और आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में उनके योगदान को सराहा। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में मितानिनो की अहम भूमिका मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि



ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में मितानिन बहनें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे गांव-गांव में लोगों के साथ सीधे संपर्क में रहती हैं और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर समुदाय के बीच जागरूकता का कार्य

करती हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत बनाने में जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली मितानिन बहनों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उनकी सक्रियता और सेवाभाव के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और सेवाओं

का लाभ अधिक लोगों तक पहुंच रहा है। **आत्मीय संवाद में सुनी समस्याएं और आवश्यकताएं :** रामगढ़ में आयोजित संवाद के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने मितानिन बहनों से सीधे बातचीत की और उनके कार्यों से जुड़े अनुभवों को जाना। उन्होंने उनकी

समस्याओं एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना तथा उनके कार्यों और सेवाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मंत्री ने कहा कि जमीनी स्तर पर सेवा देने वाली मितानिन बहनों के अनुभव और सुझाव महत्वपूर्ण हैं। उनके साथ संवाद के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े वास्तविक अनुभवों और आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलता है। सेवा, समर्पण और योगदान को किया नमन श्री राजेश अग्रवाल ने मितानिन बहनों की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि वे कठिन परिस्थितियों में भी ग्रामीण समुदाय के साथ निरंतर जुड़ी रहती हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनका सेवा भाव, समर्पण और जमीनी योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि मितानिन बहनों का कार्य केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वे ग्रामीण परिवारों के बीच विश्वास और जागरूकता का माध्यम भी बनती हैं। मंत्री ने उनके सेवा और समर्पण को नमन करते हुए कहा कि स्वस्थ और जागरूक छत्तीसगढ़ के निर्माण में मितानिन बहनों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रहेगी।

## राज्यपाल डेका ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का किया आत्मीय स्वागत



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन के छत्तीसगढ़ आगमन पर राज्यपाल श्री रमैन डेका, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में उनका आत्मीय स्वागत किया। उपराष्ट्रपति का स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री श्री दयालदास बघेल, वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर (आबकारी) श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवागन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास, उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा, राज्य सभा सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने आत्मीय स्वागत की। इसी प्रकार कोशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री अनुज शर्मा, श्री सुनील सोनी, श्री मोती लाल साहू और जनप्रतिनिधि श्री अशोक बजाज और मुख्य सचिव श्री विकासशील, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गोतम, जनप्रतिनिधियों ने उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन का स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर में आत्मीय स्वागत किया।

## संक्षिप्त समाचार

मठार समाज के उत्थान के लिए समन्वित प्रयास होयेगयोजनाओं का लाभ अंतिम किसान तक पहुंचाएं



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्परी बोर्ड के अध्यक्ष श्री राजेंद्र नायक ने कहा है कि सरकार की प्राथमिकता कृषि एवं उद्यानिकी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े गरीब, पिछड़े, लघु और सीमांत किसानों तक पहुंचाना है। इसके लिए कृषि एवं संबद्ध विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि यही शाकम्परी बोर्ड के गठन का मूल उद्देश्य है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए साझा कार्ययोजना तैयार करने दिए निर्देश नवा रायपुर स्थित उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी संचालनालय में सोमवार को आयोजित ' 'छत्तीसगढ़ राज्य शाकम्परी बोर्ड के संचालक मंडल की पहली बैठक' ' को संबोधित करते हुए श्री नायक ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को किसानों की आय बढ़ाने के लिए साझा कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी क्षेत्र में मरार समाज का योगदान ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण रहा है, इसलिए उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाया सरकार की जिम्मेदारी है। लघु एवं सीमांत किसानों को पुष्प उत्पादन के लिए करें प्रोत्साहित श्री नायक ने कहा कि भले ही शाकम्परी बोर्ड का गठन मरार-पटेल समाज के उत्थान के उद्देश्य से किया गया है, लेकिन बोर्ड की सोच सभी किसानों के हित और समृद्धि से जुड़ी है। कृषि, उद्यानिकी, जल संसाधन, ऊर्जा, वाणिज्य एवं उद्योग तथा छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के समन्वित प्रयासों से किसानों की आय बढ़ाने और आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी। बैठक में लघु एवं सीमांत किसानों को उद्यानिकी फसलों तथा विशेष रूप से पुष्प उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने, योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने तथा जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के माध्यम से पात्र किसानों को अधिकाधिक लाभान्वित करने पर भी सहमति बनी।

मुख्यमंत्री हेलपलाइन में शिकायत का त्वरित असर, खेमड़ा की क्षतिग्रस्त पुलिया हुई दुरुस्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महासमुद्र जिले के बागबाहरा विकासखंड के ग्राम खेमड़ा में भारी वर्षा से क्षतिग्रस्त हुई करीब 20 वर्ष पुरानी सड़क की पुलिया की मरम्मत मुख्यमंत्री हेलपलाइन में शिकायत के बाद तत्काल कराई गई। पुलिया के क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री हेलपलाइन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। कलेक्टर श्री विनय कुमार लोह के निर्देश पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) विभाग के अधिकारियों ने तत्काल मौके का निरीक्षण किया। कलेक्टर के निर्देशानुसार पीएमजीएसवाई के कार्यपालन अभियंता श्री आशीष कुलदीप एवं संबंधित तकनीकी अग्रेजी की निगरानी में पुलिया का आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य पूर्ण कराया गया।

## गुदुम बाजा और मोहरी की पारंपरिक धुनों से सजा ‘रंग-तरंग’ का दूसरा दिन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक लोकवाद्यों और लोक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियों से तीन दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन 'रंग-तरंग' का दूसरा दिन जीवंत हो उठा। लोकवाद्य गुदुम बाजा और मोहरी की पारंपरिक धुनों ने आयोजन स्थल पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति की विशिष्ट छटा बिखेरी और उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में पूर्व संस्कृति आयुक्त श्री अनिल कुमार साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों और बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने



लोक कला एवं संस्कृति को संरक्षित करने तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए कलाकारों और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी साहित्य से जुड़े श्री विजय मिश्रा, समाजसेवी श्री उदयभान, वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार श्री दीपेंद्र दीवान सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। 'रंग-तरंग' के माध्यम से छत्तीसगढ़ की

## महिलाओं के हुनर को मिलेगा मंच, आत्मनिर्भरता को मिलेगी नई उड़ान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नारी सशक्तीकरण के संकल्प के साथ सुशासन की सरकार प्रदेश की माताओं-बहनों के सम्मान, स्वाभिमान, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सशक्त नेतृत्व में प्रदेशभर में महतारी सदनों का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में आज अंबिकापुर के ग्राम खम्हरिया और ग्राम उदयपुर में महतारी सदन निर्माण कार्य का भूमिपूजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि महतारी सदन हमारी माताओं-बहनों के लिए केवल एक भवन नहीं, बल्कि सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता का केंद्र होगा। यह महिलाओं को एक ऐसा सशक्त मंच उपलब्ध कराएगा, जहां वे बैठकें, प्रशिक्षण तथा विभिन्न सामाजिक और आर्थिक गतिविधियां संचालित कर सकेंगी।



उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। महिलाओं को संगठित कर उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाएगा महतारी सदन मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि महतारी सदन गांव की मातृशक्ति को संगठित करने और उनकी प्रतिभा एवं हुनर को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में अनेक पारंपरिक कोशल और प्रतिभाएं मौजूद हैं। उन्हें उचित मंच और अवसर

मिलने पर वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि महतारी सदन में महिलाओं के लिए बैठक, प्रशिक्षण, कोशल विकास तथा विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के संचालन की सुविधा मिलेगी। इससे महिलाओं के बीच आपसी सहभागिता और समन्वय बढ़ेगा तथा उन्हें सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। महिला सशक्तीकरण से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

## करेले की खेती से नारायण प्रसाद की आय में आई हरियाली

आधुनिक तकनीक और राष्ट्रीय बागवानी मिशन का मिला साथ, प्रति एकड़ 1.07 लाख रुपये का शुद्ध लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महासमुद्र जिले के बागबाहरा विकासखंड के ग्राम टेंगराही के कृषक श्री नारायण प्रसाद वर्मा ने पारंपरिक धान की खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के सहयोग और आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग से उनकी खेती अब अधिक लाभकारी हो गई है। श्री वर्मा क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं। श्री नारायण प्रसाद वर्मा के पास कुल 1.06 हेक्टेयर कृषि भूमि है। पहले वे मुख्य रूप से धान की खेती करते थे, जिससे उन्हें अपेक्षाकृत सीमित आय प्राप्त होती थी। खेती को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने उद्यानिकी फसलों की ओर कदम बढ़ाया और करेला सहित अन्य सब्जियों की खेती शुरू की।

सरकारी अनुदान ने बढ़ाया खेती का दायरा: राष्ट्रीय बागवानी मिशन वर्ष



2025-26 के अंतर्गत सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना में श्री वर्मा को एक हेक्टेयर क्षेत्र में करेला की खेती के लिए लाभकारी बनाने का अनुदान प्रदान किया गया। इसके साथ ही सब्जी फसलों के लिए 0.50 हेक्टेयर क्षेत्र में स्प्रेट सिस्टम स्थापित करने हेतु 5 हजार रुपये का अनुदान भी डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में

मिला। सरकारी सहयोग के साथ उन्होंने खेती में ड्रिप सिंचाई, मल्टिचिंग और आधुनिक कृषि यंत्रों जैसी तकनीकों को अपनाया। इन तकनीकों से पानी की बचत हुई और फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन में भी सुधार आया। एक एकड़ सिस्टम स्थापित करने हेतु 5 हजार रुपये का अनुदान भी डीबीटी के उपयोग का परिणाम श्री वर्मा को करेला

उत्पादन में मिला। उन्होंने प्रति एकड़ करीब 12 टन करेला का उत्पादन प्राप्त किया। बाजार में उचित मूल्य मिलने से सभी खर्चों को निकालने के बाद उन्हें लगभग 1 लाख 7 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। श्री वर्मा बताते हैं कि उद्यानिकी फसलों और आधुनिक तकनीकों को अपनाने से खेती से होने वाली आय में बढ़ोतरी हुई है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और खेती के प्रति उनका विश्वास भी बढ़ा है।श्री नारायण प्रसाद वर्मा की सफलता यह दर्शाती है कि पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी फसलों का समावेश, आधुनिक सिंचाई तकनीकों और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। उनकी यह पहल क्षेत्र के अन्य किसानों को भी फसल विविधीकरण और आधुनिक कृषि अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है।

## पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्यप्रणाली पर जोर सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत एनएचआई द्वारा कार्यशाला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) के क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' थीम पर आयोजित कार्यशाला में आचरण नियमों, सतर्कता संबंधी प्रक्रियाओं तथा सीटीई (मुख्य तकनीकी परीक्षक) निरीक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए एनएचआई के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री आशीष नाथ ने कहा कि सतर्कता केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कार्यप्रणाली में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की निरंतर प्रक्रिया है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों से अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ करने पर जोर दिया। मेट्स यूनिवर्सिटी, रायपुर के कुलपति प्रो. डॉ. के.पी. यादव ने अपने व्याख्यान में कार्यस्थल पर नैतिकता,



ईमानदारी और जिम्मेदार आचरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की दीर्घकालिक सफलता के लिए व्यावसायिक दक्षता के साथ नैतिक मूल्यों का पालन भी आवश्यक है। सीमा सड़क संगठन

(बीआरओ) के सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक श्री श्याम सुंदर पोरवाल ने अपने संबोधन में अनुशासन, ईमानदारी और जवाबदेही को प्रभावी कार्यप्रणाली का आधार बताया। उन्होंने कहा कि निर्माण एवं

अधोसंरचना से जुड़े कार्यों में पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया और निर्धारित मानकों का पालन अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्षेत्रीय अधिकारी, रायपुर, एनएचआई श्री आलोक कुमार ने कहा कि सड़क एवं राजमार्ग निर्माण जैसे बड़े सार्वजनिक कार्यों में गुणवत्ता, समयबद्धता और पारदर्शिता का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को बेहतर ढंग से संपादित करने के लिए प्रोजेक्ट डायरेक्टर, कन्सेशनर, अथॉरिटी इंजीनियर्स एवं कांटेक्टर सहित सभी संबंधित पक्षों के बीच बेहतर समन्वय और स्पष्ट जवाबदेही आवश्यक है। प्रत्येक स्तर पर निर्धारित प्रक्रियाओं, तकनीकी मानकों एवं नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सतर्कता संबंधी जागरूकता से सभी संबंधित पक्षों में अपने दायित्वों के प्रति जिम्मेदारी और जवाबदेही की भावना मजबूत होती है तथा पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यप्रणाली को बढ़ावा मिलता है। सतर्कता केवल अनियमितताओं की रोकथाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक

ऐसी कार्य संस्कृति विकसित करने का माध्यम है, जिसमें ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके। कार्यशाला में एनएचआई मुख्यालय के सतर्कता विभाग ने सतर्कता मामलों से संबंधित प्रक्रियाओं, शिकायतों के प्रभावी निपटारे तथा मुख्य तकनीकी परीक्षक के निरीक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। उन्होंने अधिकारियों एवं इंजीनियरों को सतर्कता संबंधी दिशा-निर्देशों के व्यवहारिक अनुपालन और आवश्यक सावधानियों से अवगत कराया। कार्यशाला में श्री धर्मेन्द्र कुमार राघव, जीएम विजिलेंस, एनएचआई, श्री डॉ. अनिल दिक्षित, ज्वाइंट डायरेक्टर, आईसीएआर, डॉ. अर्जुन कदम, डीएसपी, सीबीआई, श्री संजय गौर, डीआईजी, बीएसएफ समेत क्षेत्रीय कार्यालय एवं समस्त पीआईयू के अधिकारी कर्मचारी, अथॉरिटी इंजीनियर्स, टीम लीडर्स, विशेषज्ञों तथा संबंधित कांटेक्टर के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।